केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

इस दुनिया में, सबसे सस्ती होती हैं, भावनाएं लेकिन अनमोल होता है वो इंसान जो इन भावनाओं को समझ सकता है...

वर्ष : 17 अंक : 111 | उज्जैन, बुधवार 30 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

प्रदेश के समग्र विकास और जनहित को गति देने के लिए 24 हजार 500 करोड़ रूपये की स्वीकृति

युवाओं के हित में ऐतिहासिक निर्णय - अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने की स्वीकृति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के समग्र विकास और जनहित को गति देने के लिए लगभग 24 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं को मंजूरी दी। युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मंत्रि-परिषद ने पुलिस आरक्षक, विशेष सशस्त्र बल, जेल प्रहरी, वन रक्षक और आबकारी आरक्षक जैसी वर्दीधारी सेवाओं में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का बड़ा फैसला किया है।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 76 हजार से अधिक अतिथि शिक्षकों के मानदेय के लिए आगामी पांच वर्षों के लिए 5,329.17 करोड़ रुपये, स्कूली विद्यार्थियों को गणवेश राशि के लिए 348 करोड़ 7 लाख रुपये तथा स्वास्थ्य केंद्रों व औषधि नियंत्रण के लिए 3,245 करोड़ 80 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। अधोसंरचना विस्तार के तहत 4,470 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से दमोह-कटनी 4-लेन मार्ग निर्माण, ग्रामीण विकास निधि के लिए 3,580 करोड़ 22 लाख रुपयें और सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत उज्जैन की कान्ह डायवर्सन परियोजना सहित दतिया, नीमच व सागर की बंडा वृहद सिंचाई परियोजनाओं की निरंतरता को स्वीकृति दी गई। यह निर्णय प्रदेश में रोजगार, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण को गति प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की युवाओं को सशक्त बनाने की मंशा के अनुरूप मंत्रिपरिषद ने प्रदेश की वर्दीधारी सेवाओं में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मंत्रि-परिषद के निर्णय अनुसार अब गृह विभाग के अंतर्गत आरक्षक (सामान्य ड्यूटी)की भर्ती में होमगार्ड को 10, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसी तरह गृह विभाग अंतर्गत विशेष सशस्त्र बल में होमगार्ड को 10, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों 20 प्रतिशत, जेल विभाग अंतर्गत जेल प्रहरी में होमगार्ड को 15, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20, वन विभाग अंतर्गत वन रक्षक में होमगार्ड को 15, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत तथा वाणिज्यिक कर विभाग अंतर्गत आबकारी आरक्षक में होमगार्ड को 10, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण (हॉरिजेन्टल) दिये जाने का निर्णय लिया गया है। मंत्रि-परिषद ने सत्र 2026-27 में कक्षा 1 से 8 तक शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र और छात्राओं के लिये गणवेश की राशि डीबीटी के माध्यम से छात्र, छात्राओं और पालकों के खातों में प्रदाय करने के लिए 348 करोड़ 7 लाख रूपये की स्वीकृति दी है।

मंत्रि-परिषद ने अतिथि शिक्षकों के मानदेय प्रदाय संबंधी योजना को आगामी 5 वर्षों 2026-27 से 2030 -31 तक निरंतर संचालन के लिए 5,329 करोड़ 17 लाख रूपये की स्वीकृति दी है। प्रदेश के शासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी शालाओं में शिक्षकों के विषयमान से स्वीकृत पदों में से रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों के माध्यम से अध्यापन की व्यवस्था की जाती है। प्रदेश में वर्तमान में 76 हजार से अधिक अतिथि शिक्षक कार्यरत है।

मंत्रि-परिषद ने जिला चिकित्सालय सिंगरौली में अतिरिक्त 155 बिस्तरों की वृद्धि करते हुए 450 से 605 बिस्तरीय चिकित्सालय में विस्तार कार्य के साथ आंतरिक और बाह्य विकास कार्यों तथा बॉयोमेडिकल उपकरण एवं अस्पताल फर्नीचर आदि कार्य के लिए 372 करोड़ 12 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

न्यूज ब्रीफ

पीएम डिग्री मामले में केजरीवाल की अपील खारिज, हाई कोर्ट ने बरकरार रखा 25 हजार का जुर्माना

अहमदाबाद/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिग्री मामले में हाई कोर्ट की एकलपीठ के निर्णय में हस्तक्षेप से इनकार करते हुए गुजरात उच्च न्यायालय ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अपील को खारिज कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने एकलपीठ के निर्णय को पूरी तरह तथ्यात्मक बताते हुए उसकी ओर से केजरीवाल पर लगाये गये 25 हजार रुपये के जुर्माना को बरकरार रखा है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वर्ष 2016 के केंद्रीय सूचना आयुक्त के एक फैसले को चुनौती देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शैक्षणिक डिग्री सार्वजनिक करने की मांग के साथ हाई कोर्ट में एक याचिका लगाई थी। न्यायाधीश ने इस मामले में केजरीवाल की याचिका को खारिज करते हुए उन पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगा दिया था। इस फैसले की अपील के बाद यह मामला मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल एवं न्यायाधीश डी एन रे की खंडपीठ के समक्ष आया। खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई के बाद कहा है कि इस मामले में एकलपीठ के निर्णय में हस्तक्षेप का कोई कारण नहीं बनता है। यह निर्णय पूरी तरह तथ्य व परिस्थिति के आधार पर दिया गया है, ऐसा कहते हुए उच्च न्यायालय ने केजरीवाल की अपील को भी खारिज कर दिया। गत 31 मार्च 2023 को एकलपीठ ने मामले की सुनवाई के बाद केजरीवाल को सूचना के अधिकार कानून के उल्लंघन का दोषी बताते हुए उन पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हेमंत सोरेन की याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई टली, 30 सितंबर को अगली तारीख

रांची/ जीएनएस। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस मनोज प्रसाद की अदालत में बड़गांई अंचल की 8.86 एकड़ की कथित जमीन फर्जीवाड़ा से जुड़े मामले में सीएम हेमंत सोरेन की ओर से दाखिल याचिका पर मंगलवार को सुनवाई टल गई। अदालत ने मामले में अगली सुनवाई 30 सितंबर को 2.15 बजे निर्धारित की है। हेमंत सोरेन की ओर मनी लांड्रिंग मामले में आरोप गठन की कार्रवाई को रोकने और ईडी कोर्ट के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से अतिरिक्त सालिसिटर जनरल एसवी राजू आनलाइन जुड़े थे। इस दौरान अदालत ने कहा कि समयाभाव के कारण मामले में बुधवार को सुनवाई की जाएगी। इस पर हेमंत सोरेन की ओर से कहा गया कि बुधवार की सुबह ही इस मामले में सुनवाई की जाए। क्योंकि ईडी कोर्ट में आरोप गठन होना है। इस पर अधिवक्ता एसवी राजू ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में एक महत्वपूर्ण मामला होने की वजह से वह दूसरी पाली में उपलब्ध हो पाएंगे। इसलिए मामले की सुनवाई दूसरी पाली में ही रखी जाए। अदालत ने उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई बुधवार को दूसरी पाली में निर्धारित की है। ईडी की ओर से एएसजीआइ एसवी राजू, वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास एवं अधिवक्ता सौरभ कुमार ने पक्ष रखा। बता दें कि हेमंत सोरेन की ओर से याचिका दाखिल कर पीएमएलए एक्ट की धारा 44 (1) (डी) का हवाला देते हुए कहा गया है कि जब तक मामले में अनुसंधान पूरा नहीं होता है, तब तक उनके खिलाफ आरोप गठन न किया जाए। इस मामले में अभी अनुसंधान पूरा नहीं हुआ है। इसलिए ईडी कोर्ट की कार्रवाई पर रोक लगाई जाए।

महिला सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, दिल्ली के संवेदनशील इलाकों का होगा सुरक्षा ऑडिट

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पिछले दिनों घटी दुष्कर्म की घटनाओं और महिला सुरक्षा पर चिंता जताते हुए मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने कहा कि केवल चिंता जताते तक सीमित रहने के बजाए जमीन पर सुरक्षा व्यवस्था सुधारने के लिए समयबद्ध कदम उठाए जाने चाहिए।

इसी को ध्यान में रखते हुए शीर्ष अदालत ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक निर्देश जारी किये हैं। कोर्ट ने पुलिस को चार सप्ताह के भीतर संवेदनशील इलाकों का सर्वे कराने, ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों का नक्शा तैयार करने, पुलिस गश्त बढ़ाने और खराब स्ट्रीट लाइट व सीसीटीवी को दुरुस्त करने के आदेश दिये हैं। न्यायमूर्ति जेबी पार्डीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कुछ उपाय तत्काल अंतरिम तौर पर चार सप्ताह में करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली के पुलिस आयुक्त प्रत्येक पुलिस जिले के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन करेंगे। इन टीमों का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक से नीचे रैंक का अधिकारी नहीं करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने महिला सुरक्षा पर जताई चिंता- ये टीमें अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों का तत्काल सर्वेक्षण और निरीक्षण करेंगी। इसमें बाहरी इलाके, सुनसान क्षेत्र, पार्क, परिवहन केंद्र, बाजार, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास के क्षेत्र और अन्य सार्वजनिक स्थान शामिल होंगे।

गृह मंत्री अमित शाह से मिले पंजाब और हरियाणा के राज्यपाल, राज्य के अहम मुद्दों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली/ जीएनएस। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और हरियाणा के राज्यपाल असीम कुमार घोष ने सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से अलग अलग मुलाकात की और गृह मंत्री के साथ अपने-अपने राज्यों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

गृह मंत्री के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट किया, पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने केंद्रीय गृह अमित शाह से मुलाकात की।

एक और पोस्ट में गृह मंत्री के कार्यालय ने कहा, हरियाणा के गवर्नर असीम कुमार घोष ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस बारे में विस्तृत जानकारी अभी नहीं दी गई है।

विकास भवन के बाहर आईसीटी शिक्षकों का धरना जारी, 60 वर्ष तक नौकरी की मांग रहे गारंटी

कोलकाता/ जीएनएस। नौकरी की अनिश्चितता के विरोध में आइसीटी संविदा कंप्यूटर शिक्षकों का विकास भवन के सामने सोमवार से शुरू हुआ धरना मंगलवार को भी जारी रहा। शिक्षक रातभर धरने पर बैठे रहे। उनका कहना है कि मांगों को लेकर सरकारी अधिसूचना जारी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

आइसीटी ऐक्य मंच के छठे और सातवें फेज के 3,719 शिक्षक-शिक्षिकाएं एजेंसियों के माध्यम से काम कर रहे हैं। उनकी मौजूदा संविदा 30 सितंबर को खत्म हो रही है। वर्तमान एजेंसी ने संविदा का नवीनीकरण नहीं करने की जानकारी देते हुए शिक्षकों को टर्मिनेशन लेटर भी भेजे हैं। नई एजेंसी के लिए टेंडर होने के बाद मौजूदा शिक्षकों की नौकरी जारी रहेगी या नहीं, इसे लेकर असमंजस है।

शिक्षकों की मांग है कि एजेंसी व्यवस्था खत्म कर उन्हें सीधे सरकारी संविदा कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। उनका कहना है कि पांचवें फेज तक के शिक्षक सरकारी संविदा कर्मचारी के रूप में काम कर रहे हैं, जबकि छठे और सातवें फेज के शिक्षक करीब पांच वर्षों से एजेंसियों के अधीन हैं। इसके साथ ही उन्होंने 60 वर्ष की आयु तक नौकरी सुनिश्चित करने की मांग की है।

विधायी विशेषाधिकार के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे कॉमेडियन कुणाल कामरा, क्या है पूरा मामला?

नई दिल्ली/ जीएनएस। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने विधायकों के विधायी विशेषाधिकार के दायरे और उसके भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रभाव से जुड़े मामले में हस्तक्षेप की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट की सात न्यायाधीशों की संविधान पीठ छह अक्टूबर से इस मामले की सुनवाई शुरू करेगी।

कामरा ने अपनी याचिका में कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा में उनके स्टैंड-अप स्पेशल नया भारत को लेकर लंबित विशेषाधिकार कार्यवाही के कारण वह इस कानूनी सवाल से सीधे प्रभावित हैं।

कामरा ने कहा कि नागरिकों की अभिव्यक्ति को रोकने के लिए विधायी विशेषाधिकार का इस्तेमाल लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल में मौजूद अधिकारों से जुड़ा प्रश्न है। उनके कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर किए गए मजाक के बाद विवाद हुआ था। भाजपा विधायक प्रवीण दरेकर ने कामरा और शिवसेना (यूबीटी) की प्रवक्ता सुषमा अंधारे के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया था। कामरा ने अपनी याचिका में कहा कि याचिकाकर्ता का मानना है कि उसका मामला यह दर्शाता है कि विधायी विशेषाधिकारों का प्रयोग न केवल प्रेस के सदस्यों की वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित करता है, बल्कि किसी भी ऐसे नागरिक को प्रभावित करता है, जो विधायिका के सदस्यों के कार्यों के बारे में बोलना चाहता है।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने प्रगति-50 पहल की शुरुआत की, 50 शहर बनेंगे स्वच्छता के मॉडल

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में शहरी स्वच्छता को एक नए स्तर पर ले जाने और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को प्रगति-50 पहल का शुभारंभ किया। स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के तहत शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य 24 राज्यों के 50 चुनिंदा शहरों को शहरी स्वच्छता और ठोस कचरा प्रबंधन में मॉडल सिटी के रूप में विकसित करना है।

नियमित सफाई से आगे बढ़कर दृश्यमान स्वच्छता पर फोकस- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि चुनिंदा 50 शहरों में नियमित सफाई से आगे बढ़कर वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन, प्रयुक्त जल प्रबंधन और स्वच्छता सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इन 50 शहरों में देश के प्रमुख आर्थिक केंद्र, सांस्कृतिक व धार्मिक महत्व वाले शहर और बड़े पर्यटन स्थल शामिल हैं। योजना की प्रगति की समीक्षा के लिए डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किया गया है और वह स्वयं हर दो महीने में इसकी प्रगति की समीक्षा करेंगे। समारोह में उपस्थित आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि यह पहल शहरों को एक निर्धारित समय सीमा के भीतर कचरा मुक्त शहर बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कई अन्य बड़े नवाचार- इस अवसर पर मंत्रालय द्वारा स्वच्छता क्षेत्र में तकनीक, नवाचार और नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें शुरू की गईं। दुर्गापुर स्थित सीएसआईआर-सीएमईआरआई के सहयोग से स्वच्छ भारत टेस्ट बेड एंड इनोवेशन सेंटर की शुरुआत की गई। यह सेंटर स्वच्छता प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान, परीक्षण, सत्यापन और उत्पाद विकास पर काम करेगा।

ड्रोन से अमरूद के बाग में गिराई जाती थी हेरोइन, एक्टिवा पर ठिकाने लगाती थी पत्नी; अमृतसर में नशा तस्करी का भंडाफोड़

अमृतसर/ जीएनएस। भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित अटारी के पास अमरूद के बाग में हेरोइन और हथियारों की खेप पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा गिराए जा रहे थे। मामले में किंग पिन संदीप सिंह ने बड़ी चालाकी के साथ इस साल अमरूद के बाग का लेबर का कांट्रेक्ट ले लिया था।

आईजी गुरप्रीत सिंह भुल्लर, एसएसपी कंवलप्रीत सिंह चाहल ने सोमवार की शाम पुलिस लाइन में आयोजित की गई प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि थाना घरिंडा की पुलिस ने बराड़ी गांव निवासी संदीप सिंह, उसकी पत्नी कमलजीत कौर और उसके भाई बिक्रमजीत सिंह के कब्जे से एक एके - 56, एक एके-47, चार मैगजीन, दस कारतूस और दस किलो हेरोइन बरामद की है। आईजी ने बताया कि सारा परिवार ही हेरोइन और हथियारों की तस्करी में शामिल था। संदीप सिंह ने तीन साल पहले योजना बनाई थी कि वह आने वाले दिनों में अटारी सेक्टर स्थित भारत पाकिस्तान सीमा के साथ सटे इलाके में बने अमरूद के बाग में मजदूरी का ठेका ले लेगा। इससे पहले संदीप सिंह के खिलाफ साल 2022 में असलहा एक्ट के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

वहीं, से आरोपित के संपर्क पाक तस्करों और विदेश बैठे आईएसआई हैंडलर के साथ बने थे। जमानत पर लौटने के बाद संदीप के खिलाफ साल 2025 में चोरी का मामला दर्ज किया गया और अगस्त और सितंबर महीने में घरिंडा और लोपोके थाने में पांच पांच किलो हेरोइन के मामले दर्ज हो चुके हैं। संदीप सिंह के गिरोह के आधा दर्जन सदस्य पहले भी गिरफ्तार हो चुके हैं। आईजी ने बताया कि अमरूद के बाग काफी घना है और वहां पाकिस्तानी तस्करों के इशारे पर ड्रोन के जरिए हेरोइन और हथियारों की खेप गिराई जा रही थी। फिर वहां से चुपचाप संदीप और उसकी पत्नी कमलजीत कौर आसानी से कन्साइनमेंट उठाते और उसे ठिकाने लगा देते थे।

आईजी ने बताया कि दोनों दंपति कभी कार तो कभी एक्टिवा पर यह सारा अवैध कारोबार करने लगे थे।

कर्तव्य के प्रति समर्पण और उत्कृष्ट पुलिसिंग का सम्मान, 20 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी पुरस्कृत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिसिंग के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा साप्ताहिक पुरस्कार कार्यक्रम के तहत मंगलवार को 20 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पलासिया स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह ने पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की।

अनंत चतुर्दशी चल समारोह के दौरान शहर में झांकियों और अखाड़ों के शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित संचालन में प्रभावी समन्वय और सराहनीय कर्तव्य निर्वहन के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त प्रियंका डुडवे, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-1 सुमित केरकेट्टा, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-4 दिशेष अग्रवाल और सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली विनोद दीक्षित को सम्मानित किया गया। इसके अलावा जोन-1 से थाना प्रभारी सदर बाजार पप्पुलाल शर्मा और उपनिरीक्षक संजय बिश्नोई तथा जोन-3 से थाना प्रभारी एमजी रोड विजय सिंह सिसोदिया और प्रधान आरक्षक नरेंद्र सिंह तोमर को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कृत किया गया।

महिला थाना की निरीक्षक श्रद्धा यादव, उपनिरीक्षक खुशबू परमार, महिला प्रधान आरक्षक रानी सिंधिया, महिला प्रधान आरक्षक प्रिंसी पाराशर और महिला आरक्षक सुमन मीना को भी अनंत चतुर्दशी चल समारोह के दौरान सराहनीय कर्तव्य निर्वहन के लिए सम्मानित किया गया।

सराफा-राजवाड़ा के सामने हुई हिट एंड रन की घटना के दौरान स्थिति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने और बस चालक को सुरक्षित पकड़ने में सराहनीय योगदान के लिए सहायक पुलिस आयुक्त सराफा-राजवाड़ा यश बिजौरिया को पुरस्कृत किया गया। वहीं कार्यालय पुलिस उपायुक्त जोन-4 में पदस्थ उपनिरीक्षक सौरभ शुक्ला को वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के त्वरित संप्रेषण, अनुपालन की मॉनिटरिंग तथा समीक्षा बैठकों के लिए आवश्यक जानकारी तैयार करने में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान के लिए सहायक उपनिरीक्षक वीरेंद्र वर्मा, महिला आरक्षक पूजा, आरती, सपना और आरक्षक आकाश को भी पुरस्कार प्रदान किया गया। अनंत चतुर्दशी के दौरान पुलिस के साथ समन्वय करते हुए सराहनीय योगदान देने वाले नगर रक्षा समिति के सदस्य अखिलेश सिंह सिसोदिया, पवन सैनी, विनय काकरेचा, रूपेश बागड़ी और मनीष व्यास को भी सम्मानित किया गया।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने सभी पुरस्कृत पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि उनके कर्तव्य के प्रति समर्पण और जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली अन्य पुलिसकर्मियों के लिए भी प्रेरणादायक है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने पुरस्कृत पुलिसकर्मियों के कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

जनसुनवाई में 96 आवेदकों ने रखीं समस्याएं, पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण और समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए प्रत्येक मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में मंगलवार 29 सितंबर 2026 को पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने कमिश्नर कार्यालय के सभागार में जनसुनवाई की। इस दौरान बड़ी संख्या में आमजन अपनी विभिन्न समस्याएं और शिकायतें लेकर पहुंचे।

जनसुनवाई में कुल 96 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें पति-पत्नी, बेटा-बहू के बीच पारिवारिक विवाद, पड़ोसियों से विवाद, युवतियों को ब्लैकमेल करने, नियोक्ता द्वारा वेतन नहीं देने, पैसों के लेन-देन, साइबर एवं वित्तीय धोखाधड़ी, शिकायत पर सुनवाई नहीं होने, प्लॉट-मकान एवं जमीन संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध सहित अन्य पुलिस संबंधी मामले शामिल रहे।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों में त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कई मामलों में अधिकारियों को मौके पर ही तथा फोन के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया।

जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री मयंक अवस्थी सहित सभी जोन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को विस्तार से सुना और कई मामलों में मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ की।

पुलिस द्वारा मध्यस्थता केंद्रों के माध्यम से पारिवारिक एवं आपसी विवादों में काउंसलिंग कराकर मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस कमिश्नर ने आमजन को आश्वस्त किया कि इंदौर पुलिस उनकी सुरक्षा, न्याय और अधिकारों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

हाई रेंज शराब की तस्करी करते बाइक सवार गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आबकारी विभाग इंदौर द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। कंट्रोलर श्री कमलेश सोलंकी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल द्वारा गठित टीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर अवैध मदिरा बरामद की। सुबह गश्त के दौरान नवलखा क्षेत्र में मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध मदिरा का विक्रय कर रहे संजू नामक व्यक्ति को पकड़ा गया। उसके कब्जे से प्लास्टिक की बोरियों में रखी 50 पाव देशी मदिरा प्लेन एवं 50 पाव देशी मदिरा मसाला बरामद की गई। इसी प्रकार छावनी क्षेत्र में होंडा एक्टिवा क्रमांक ष्टत्र10ऱ्क्क192 से अंकित सैनी नामक व्यक्ति को मदिरा का परिवहन करते हुए पकड़ा गया। उसके पास रखे बैग से ब्लैक एंड व्हाइट, रॉकफोर्ड व्हिस्की एवं ओल्ड मॉन्क रम की कुल 18 बोतलें बरामद की गईं। इसके बाद टीम द्वारा रालामंडल एवं असरावद खुर्द क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान गीताबाई के आधिपत्य से 20 बियर कैन तथा मनीष चौधरी के आधिपत्य से 40 पाव देशी मदिरा मसाला एवं 45 पाव देशी मदिरा प्लेन बरामद की गई। संपूर्ण कार्रवाई में आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) के तहत कुल 04 प्रकरण दर्ज किए गए। कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक श्री आशीष जैन, श्रीमती त्रियंबिका शर्मा, श्रीमती वैशाली भगत एवं श्री आकाश मेश्राम सहित हमराह स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

बैंक-इनकम टैक्स के गोपनीय दस्तावेज दिखाकर 10 लाख रुपये मांगे, ब्लैकमेलिंग व धोखाधड़ी पर एफआईआर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्राइम ब्रांच ने भोपाल के यू-ट्यूब चैनल के कर्ताधर्ता प्रवेश गौतम के विरुद्ध 10 लाख रुपये की मांग, अड़ताबाजी (रंगदारी), ब्लैकमेलिंग, धोखाधड़ी, चोरी और कथित रूप से गोपनीय डिजिटल दस्तावेज प्राप्त कर सार्वजनिक करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 308(2), 356(2) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 लगाई गई है। एफआईआर 22 सितंबर को दर्ज हुई।

शिकायत विनय पिंगले निवासी इंद्रपुरी इंदौर और जितिन खंडेलवाल निवासी गोल्डन सिटी प्राइमा, भोपाल ने की है। दस्तावेज के अनुसार पिंगले इंदौर स्थित इनोवेटिव कैड सेंटर के प्रोपराइटर हैं, जबकि खंडेलवाल सिविल इंजीनियर और कंपनी में परियोजना समन्वयक हैं। शिकायत में बताया गया कि इनोवेटिव कैड सेंटर को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत तृतीय पक्ष गुणवत्ता निगरानी एजेंसी के रूप में कार्य मिला है।

डीसीएम टेस्ट लैब्स भी इस मामले से जुड़ी है। शिकायत के अनुसार आरोपित ने एक मध्यस्थ सुनील आनंद के माध्यम से खंडेलवाल से 10 लाख रुपये की मांग की। कथित तौर पर मांग पूरी नहीं करने पर डीसीएम टेस्ट लैब्स के खिलाफ सरकारी विभागों में शिकायत करने की धमकी दी गई। शिकायतकर्ता ने राशि देने से इनकार किया। इसके बाद 22 सितंबर 2025 को लोक निर्माण विभाग में शिकायत किए जाने और विभागीय जांच में आरोप असत्य पाए जाने का दावा शिकायत में किया गया है।

इसके बाद आरोपित की ओर से फेसबुक और वेबसाइट पर सामग्री प्रसारित करने का आरोप है।

22 अगस्त 2026 को भेजे गए ई-मेल में 'डीसीएम टेस्ट लैब्स-इनोवेटिव कैड सेंटर संबंध एवं संदिग्ध वित्तीय लेन-देन' विषय से तीन पृष्ठों की प्रश्नावली भेजे जाने का उल्लेख है। इसमें बैंक लेन-देन, आयकर विवरण और अन्य व्यावसायिक दस्तावेजों से संबंधित प्रश्न थे।

वीडियो में गंभीर आरोप लगाने का दावा- शिकायत के अनुसार छह सितंबर को यू-ट्यूब चैनल पर 'मप्र भाजपा सरकार खंडेलवाल परिवार का भ्रष्टाचार...' शीर्षक से करीब सात मिनट 24 सेकंड का वीडियो प्रसारित किया गया। इसमें शिकायतकर्ताओं पर कथित तौर पर भ्रष्टाचार, मनी लांड्रिंग, कूटरचित दस्तावेज और सरकारी व्यवस्था के साथ धोखे जैसे आरोप लगाए गए।

शिकायत में कहा गया है कि वीडियो में बैंक खातों, आयकर विवरण और भुगतान संबंधी जानकारी भी दिखाई गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि वीडियो में उनकी तस्वीरें और परिवार से संबंधित जानकारी भी उनकी अनुमति के बिना दिखाई गई। आरोपित ने कथित तौर पर अगली कड़ी में बैंक खातों के दस्तावेज, यूटीआर और नकद निकासी की जानकारी सार्वजनिक करने व वीडियो को विभिन्न सरकारी विभागों तक पहुंचाने की चेतावनी दी।

आयुक्त ने पेयजल टंकियों और जलप्रदाय लाइनों का किया निरीक्षण, समय-सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की पेयजल व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सोमवार सुबह निर्माणाधीन नवीन पानी की टंकियों, जलप्रदाय व्यवस्था और नई पेयजल वितरण लाइनों के कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त आशीष पाठक, कार्यपालन यंत्री भास्कर मोयदे, नरेश कुवाल, सहायक यंत्री रोहित रॉय सहित निगम के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आयुक्त सिंघल ने अमृत परियोजना के अंतर्गत 21 के पीछे पीयू-4 और निरंजनपुर क्षेत्र में निर्माणाधीन नवीन पानी की टंकियों का निरीक्षण किया। उन्होंने टंकी निर्माण की प्रगति, निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा की जानकारी ली। आयुक्त ने संबंधित निर्माण एजेंसी को कार्य में आवश्यक तेजी लाते हुए तय समय-सीमा में निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने अधिकारियों से नवीन पानी की टंकियों की क्षमता, इनके माध्यम से किन-किन क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की जाएगी और प्रस्तावित जलप्रदाय व्यवस्था के संबंध में भी विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता के साथ समयबद्धता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

इसके बाद आयुक्त ने सुखलिया स्थित दीनदयाल उपाध्याय पानी की टंकी तथा बजरंग नगर क्षेत्र में टंकी से संबंधित नवीन पेयजल वितरण लाइन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कार्य की प्रगति और वर्तमान जलप्रदाय व्यवस्था की जानकारी लेते हुए पुरानी एवं क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों के स्थान पर नई पाइपलाइन डालने का कार्य व्यवस्थित तरीके से और निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप पूरा करने के निर्देश दिए।

नगर निगम के अनुसार अमृत 2.0 योजना के तहत शहर में कुल 38 नवीन पानी की टंकियों का निर्माण किया जाना है। इनमें से 18 टंकियों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और इनका निर्माण लगभग 18 माह में पूरा होने की संभावना है। इसके अलावा निगम मद से भी छह पानी की टंकियों का निर्माण किया जा रहा है। इनमें से तीन टंकियों का निर्माण दिसंबर 2026 तक, एक टंकी का निर्माण फरवरी 2027 तक तथा दो टंकियों का निर्माण लगभग 18 माह में पूरा होने की संभावना है।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल से जुड़े सभी निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा कराया जाए, ताकि नई जलप्रदाय व्यवस्था का लाभ नागरिकों को समय पर मिल सके।

अमृत 2.0 के जलप्रदाय कार्यों की धीमी प्रगति पर जलकार्य प्रभारी नाराज, ठेकेदार को नोटिस के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमृत 2.0 योजना के तहत शहर में चल रहे जलप्रदाय कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा ने मंगलवार को पैकेज-01 और पैकेज-02 के विभिन्न कार्यस्थलों का निरीक्षण किया। कार्यों की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए और निर्माण कार्यों में तत्काल तेजी लाने को कहा।

जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा ने अपर आयुक्त (जलप्रदाय) आशीष पाठक के साथ कार्यपालन यंत्री एनके भास्कर, सहायक यंत्री रोहित राय, उपयंत्री अनिल वास्कल और PDMC STC के अधिकारियों के साथ विभिन्न कार्यस्थलों का निरीक्षण किया।

पैकेज-02 के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने और खुदाई के शुरू हुए कार्यों का जायजा लेते हुए जलकार्य प्रभारी ने मौके पर ठेकेदार को मशीनरी और मैनपावर बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य की गति में तत्काल सुधार किया जाए, ताकि निर्धारित समय-सीमा में काम पूरा हो सके। सड़क के आसपास चल रहे निर्माण कार्यों को लेकर सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। ठेकेदार को सुरक्षा अधिकारी की तैनाती, पर्याप्त हार्ड बैरिकेडिंग और अन्य आवश्यक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, जिससे निर्माण के दौरान आम नागरिकों और श्रमिकों की सुरक्षा बनी रहे।

इसके बाद पैकेज-01 के तहत 1650 एमएलडी इंटेक, 400 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, बूस्टर पंपिंग स्टेशन और बीपीटी सहित प्रमुख कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। प्रस्तावित बीपीटी स्थल के निरीक्षण के दौरान अभिषेक शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को वन विभाग से आवश्यक अनुमति प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए, ताकि अनुमति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू किया जा सके। निरीक्षण के दौरान 400 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तथा क्लियर वाटर राइजिंग मेन की पाइपलाइन बिछाने के कार्यों की स्थिति भी देखी गई। जलकार्य प्रभारी ने अधिकारियों को सभी कार्यों की नियमित निगरानी करने और निर्माण की गुणवत्ता के साथ समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नगर निगम जनसुनवाई में 51 आवेदन प्राप्त, आयुक्त ने अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने मंगलवार को निगम मुख्यालय स्थित अपने कक्ष में जनसुनवाई कर नागरिकों की समस्याएं और शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई के दौरान अलग-अलग विभागों से संबंधित कुल 51 आवेदन आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए गए। उन्होंने सभी आवेदनों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित कार्रवाई कर समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में नागरिकों ने राजस्व, मार्केट, भवन अनुज्ञा, स्वास्थ्य, रिमूवल, सीवरेज, जनकार्य सहित नगर निगम के विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं रखीं। आयुक्त सिंघल ने प्रत्येक आवेदन को सुनने के बाद मौके पर मौजूद अपर आयुक्त, उपायुक्त, सहायक आयुक्त, अधीक्षण यंत्री और संबंधित विभाग प्रमुखों को प्रकरण तत्काल प्रेषित किए तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर निर्धारित समय-सीमा में कार्रवाई की जाए और प्रत्येक शिकायत के निराकरण की प्रभावी निगरानी रखी जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से निगम कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का नियमानुसार परीक्षण कर प्राथमिकता के आधार पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को समय पर राहत मिल सके और नगर निगम की सेवाओं का लाभ प्रभावी रूप से उपलब्ध हो।

स्वच्छता ही सेवा अभियान में नई पहल, शासकीय विद्यालयों में शुरू हुई RRR Library

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के तहत इंदौर नगर निगम ने पुरानी किताबों और प्लास्टिक सामग्री के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने के लिए शासकीय विद्यालयों में RRR Library शुरू करने की पहल की है। Read, Reuse, Repeat की थीम पर शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन-पाठन की रुचि बढ़ाने के साथ ही पुस्तकों के पुनः उपयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान की संस्कृति को प्रोत्साहित करना है।

महापौर और निगम आयुक्त के निर्देशानुसार शहर में संचालित 15 ऋऋऋसेंटरों को नागरिक सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता और संसाधनों के पुनः उपयोग के प्रभावी केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में मल्हारगंज स्थित शासकीय शारदा कन्या विद्यालय में RRR Library का शुभारंभ अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने किया। यहां लगभग 2,100 पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं।

RRR Library के माध्यम से घरों और संस्थानों में अनुपयोगी पड़ी पुस्तकों को उपयोगी शैक्षणिक संसाधन में बदलकर विद्यार्थियों तक पहुंचाया जा रहा है। नगर निगम ने शहर के अन्य शासकीय विद्यालयों में भी इस पहल को शुरू किया है। इनमें शासकीय उर्दू स्कूल साउथ तोड़ा-हाथीपाला, शासकीय गर्ल्स हाई सेकेंडरी स्कूल क्रमांक-5, प्राइमरी स्कूल पिपलिया कुमार-कांकड़, निपानिया तथा शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-26 बाणगंगा शामिल हैं।

नगर निगम द्वारा 1 सितंबर 2026 से विशेष RRR अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत नागरिक घरों में अनुपयोगी पड़ी पुस्तकें और प्लास्टिक सामग्री RRR सेंटरों पर जमा कर रहे हैं। इसके बदले उन्हें विभिन्न प्रजातियों के पौधे भी वितरित किए जा रहे हैं। अभियान को शहरवासियों का उत्साहपूर्ण सहयोग मिल रहा है।

अपर आयुक्त प्रखर सिंह ने बताया कि अभियान के तहत अब तक शहर के 15 RRR सेंटरों पर 1,310 किलोग्राम प्लास्टिक और 18,503 पुस्तकें एकत्रित की जा चुकी हैं। वहीं नागरिकों को विभिन्न प्रजातियों के 5,077 पौधे वितरित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत एकत्रित पुस्तकों को केवल संग्रहित नहीं किया जा रहा है, बल्कि आवश्यकता के अनुसार विद्यार्थियों, बच्चों और जरूरतमंद नागरिकों तक पहुंचाया जा रहा है।

समस्याओं के निराकरण से खुश नागरिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कलेक्टर शिवम वर्मा के प्रति जताया आभार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील पहल और सुशासन की व्यवस्था के तहत प्रति मंगलवार कलेक्टर कार्यालय इंदौर में आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई में कुल 304 आवेदन प्राप्त हुए। सभी आवेदनों को दर्ज करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिन प्रकरणों में तत्काल सहायता की आवश्यकता थी, उनमें मौके पर ही सहायता उपलब्ध कराई गई तथा जिन मामलों में तत्काल निराकरण संभव था, उनका भी निराकरण किया गया।

जनसुनवाई में शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता, आवास, रोजगार सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन आए। जरूरतमंद नागरिकों को नियमानुसार आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से आवास का लाभ दिलाने के लिए भी कार्रवाई की गई। शेष प्रकरणों में जांच एवं नियमानुसार समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए गए।

इस दौरान कुछ ऐसे नागरिक भी जनसुनवाई में पहुंचे, जिन्हें पूर्व में जनसुनवाई के माध्यम से सहायता मिली थी। उन्होंने अपनी समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल आवेदन प्राप्त करना नहीं, बल्कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति की समस्या का संवेदनशीलता के साथ समाधान सुनिश्चित करना है।

बीमार पिता के उपचार में मिली सहायता, स्वस्थ होने पर जताया आभार- जनसुनवाई में पहुँचे आवेदक दीपक तिवारी ने बताया कि उनके पिता दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार को लेकर परिवार काफी चिंतित था। जिला प्रशासन के सहयोग और स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा तत्परता से उपचार एवं देखभाल किए जाने से उनके पिता की स्थिति में सुधार हो रहा है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

महिला का राशन कार्ड बनवाकर दिलाया राशन- इसी तरह एक जरूरतमंद महिला श्रीमती ज्योति सोनी का राशन कार्ड नहीं बन पा रहा था। महिला द्वारा जनसुनवाई में अपनी समस्या बताने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उसका राशन कार्ड बनवाया गया तथा उसे राशन का लाभ भी दिलाया गया। सहायता मिलने पर महिला ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जिला प्रशासन के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। महिला ने विशेषकर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। महिला ने कहा कि उसे उम्मीद नहीं थी कि इतनी जल्दी उसका यह काम हो जाएगा। राशन कार्ड बनने से उसे आयुष्मान कार्ड भी मिलेगा, जिससे वह 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज बड़े प्रायवेट अस्पतालों में करवा सकेगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से लिया जा रहा है। तत्काल सहायता वाले मामलों में मौके पर सहायता उपलब्ध कराई जा रही है तथा अन्य प्रकरणों को संबंधित विभागों को भेजकर नियमानुसार समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

मंदसौर पुलिस गौरवान्वित, 11 करोड़ की ठगी करने वाले साइबर गैंग का पर्दाफाश, 6 गिरफ्तार

जयपुर और बिहार से पकड़ाए ठग, 150 से ज्यादा म्यूल अकाउंट और 30 फर्जी सीम बरामद, मैट्रिमोनियल साइट पर एनआरआई बनकर फंसाते थे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सायबर अपराधियों पर मंदसौर पुलिस का कड़ा प्रहार हुआ है। अंतरराज्यीय सायबर ठगों को देश के अलग-अलग राज्यों से मंदसौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना के निर्देशन में विशेष टीम की प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरूप अंतरराज्यीय सायबर ठगों के पूरे गिरोह का पर्दाफाश कर मुख्य सरगना सहित छह ठगों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गयी है। देश के अलग-अलग कोनों में बैठकर ठगी का व्यवसाय संचालित करते थे। प्रारम्भिक जाँच में 11 करोड़ से अधिक की राशि की ठगी कर चुके हैं। आरोपियों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गिरोह से तार जुड़े हैं। 100 से अधिक सायबर घटना को अंजाम दे चुके हैं। डेढ़ सौ से अधिक म्यूल बैंक अकाउंट एवं म्यूल मोबाइल सिमों का उपयोग कर चुके हैं।

सायबर फ्रॉड से संबंधित एक मामला शामगढ़ निवासी फरियादिया को फ्रॉड व्यक्ति द्वारा अपने झांसे में लेकर स्वयं को एनआरआई होना बताकर दिग्भ्रमित करता रहा। अपने नकली फोटो, नकली परिजनों से व्हाट्सएप पर बात करवाना तथा पूर्णतः यह साबित करना कि वो फरियादिया से शादी करने को राजी है। फरियादिया जब पूर्ण रूपेण आश्वस्त और प्रलोभित हो गई तब विदेशी गिफ्ट भेजना, गिफ्ट कस्टम द्वारा पकड़ना तथा तरह-तरह के सेल्स टैक्स इत्यादि को लेकर कस्टम ऑफिसर के फोन से डरा-धमकाकर मोटी रकम वसूल कर ली। फरियादी को धोखे का अंदाजा होने तक, फ्रॉड गैंग द्वारा साढ़े 7 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में स्थानांतरित करवा चुके थे। फरियादी द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर घटना की जानकारी दी गयी। पीड़िता ने जब मंदसौर पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत दर्ज करायी तब इस घटना के पीछे सक्रिय पूरे गिरोह की पतारसी व पीड़िता को न्याय दिलाने हेतु विशेष दिशा निर्देश देकर एक विशेष टीम का गठन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ रामस्नेही मिश्र एवं एसडीओपी सीतामऊ दिनेश प्रजापति के मार्गदर्शन में उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय थाना प्रभारी शामगढ़ के नेतृत्व में सायबर सेल व थाना की संयुक्त टीम का गठन कर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। इसी क्रम में उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय व उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह कनेश के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा कार्यकुशलता एवं दक्षता के आधार पर लगातार अथक प्रयासों से घटना को अंजाम देने वाले आरोपियों का सुराग प्राप्त कर राजस्थान राज्य के जयपुर में दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की गयी। आरोपियों से पूछताछ एवं विवेचन में आए तथ्यों के आधार पर गिरोह के एक अन्य सदस्य को बिहार राज्य के अरवल जिले से अभिरक्षित करने में सफलता प्राप्त की गयी। अधिकांश मोबाइल सिम आगरा, फिरोजाबाद, दिल्ली एवं बिहार राज्य से प्राप्त की गयी हैं। कुछ मोबाइल सिम एवं बैंक अकाउंट्स भोपाल से भी प्राप्त कर उपयोग किये गये हैं। गिरफ्तारशुदा आरोपियों का विवरण त्रिलोकी कुमार पिता नागेन्द्र राऊत जाति कुर्मी उम्र 26 साल निवासी भेलाही थाना भेलाही जिला पूर्वी चंपारण बिहार, शिवम गुप्ता पिता चंदेश्वर प्रसाद जाति गुप्ता उम्र 25 साल निवासी भेलाही थाना भेलाही जिला पूर्वी चंपारण बिहार, बबलू कुशवाह पिता मनीष प्रसाद कुशवाह जाति कोइरी उम्र 25 साल निवासी भेलाही थाना भेलाही जिला पूर्वी चंपारण बिहार, गुंजन गुप्ता पिता चंदेश्वर प्रसाद जाति गुप्ता उम्र 29 साल निवासी भेलाही थाना भेलाही जिला पूर्वी चंपारण बिहार, शशि कुमार पिता शंभू प्रसाद जाति कलवार उम्र 24 साल निवासी भेलाही थाना भेलाही जिला पूर्वी चंपारण बिहार, टोनी कुमार पिता संजयराम जाति रविदास उम्र 34 वर्ष निवासी छपिया गोपालगंज बिहार हैं। आरोपी से 22 एंड्रॉइड मोबाइल फोन, 30 मोबाइल सिम, 05 एटीएम कार्ड, तथा 8 लाख रुपये से अधिक राशि को लिक्विड फ्रिज करवाया है, जो विभिन्न बैंक खातों में जमा होकर जप्त (फ्रिज) है। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक कपिल सौराष्ट्रीय थाना प्रभारी शामगढ़, उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह कनेश थाना कोतवाली, उप निरीक्षक ओ.पी. राठौर थाना शामगढ़, उप निरीक्षक सत्येन्द्र सैनी प्रभारी सायबर सेल, प्र.आर. आशीष बैरागी, प्र.आर. मुजफ्फर, आर. मनीष बघेल एवं आर. हरिओम मालवीय (सायबर सेल टीम), प्र.आर. अर्जुन सिंह राठौर थाना नाहरगढ़, आर. हीरालाल यादव, आर. इरफान खान, आर. धर्मेश बैरागी, आर. विशाल सिंह, आर. प्रेम सिंह रावत एवं महिला आर. रेखा भाटी थाना शामगढ़ द्वारा विशेष एवं महत्वपूर्ण सराहनीय भूमिका का निर्वहन किया गया है।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने विभागीय कार्यों की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश

विकास कार्यों में गति और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर जोर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने विभिन्न विभागों के कार्यों, योजनाओं की प्रगति तथा लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति, लंबित प्रकरणों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण और विभागीय कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर द्वारा दिए गए प्रमुख निर्देश- लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण- सभी जिला अधिकारी समय-सीमा पत्रों, सीएम हेल्पलाइन तथा अन्य लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा एवं मॉनिटरिंग करें। निर्धारित साप्ताहिक लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें।

- जिला स्तरीय समितियों का गठन- सभी विभाग जिला स्तरीय समितियों के गठन संबंधी आवश्यक कार्रवाई समय पर पूर्ण करें।

- अमानक उर्वरक पर कार्रवाई- उप संचालक कृषि कल्याण विभाग को वैभव इंटरप्राइजेज, कंजार्डा में अमानक उर्वरक विक्रय के मामले में एफआईआर दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

- आंगनवाड़ी भवनों का निर्माण- स्वीकृत आंगनवाड़ियों का कार्य 31 जनवरी तक पूर्ण कराने तथा निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

- एप्रोच रोड निर्माण- एमपीआरडीसी को मुख्य मार्गों से कॉलोनियों के लिए आवश्यक एप्रोच रोड निर्माण की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

- जलाशयों की निगरानी- जिले में कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए जल संसाधन विभाग यह सुनिश्चित करे कि किसी भी जलाशय से अवैध रूप से पंपिंग नहीं हो। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

- सीएम हेल्पलाइन की रैंकिंग में सुधार- राज्य स्तरीय रैंकिंग में 30 से नीचे रहने वाले विभाग प्रमुखों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

- जनसुनवाई के प्रकरण- जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निराकरण नहीं करने वाले अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। शिकायतों का वास्तविक एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

- सीएम हाउस से प्राप्त आवेदन- सीएम हाउस से प्राप्त आवेदन का नियमानुसार त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश एसडीओपी मनासा को दिए।

- मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान- अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों को उनका त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

- विभागीय समन्वय- सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि योजनाओं एवं विकास कार्यों का समयबद्ध, व्यवस्थित और सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

- अद्यतन जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित हों- सभी अधिकारी अपने विभाग की अद्यतन एवं संपूर्ण जानकारी के साथ बैठकों में उपस्थित हों तथा लंबित प्रकरणों की नियमित मॉनिटरिंग करें।

कलेक्टर ने कहा कि निराकरण योग्य प्रकरणों को अनावश्यक रूप से लंबित रखना गंभीरता से लिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों में समयबद्धता, गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गरोठ पुलिस की कार्रवाई: 221 किलो डोडाचूरा के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त, नाबालिग पकड़ाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गरोठ पुलिस द्वारा डोडाचूरा तस्करों पर बड़ी कार्यवाही की गई। बिना नंबर के पावर ट्रैक कंपनी के ट्रैक्टर मय ट्रॉली से अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा 221 किलो जप्त कर विधि विरुद्ध बालक को पकड़ा। इस कार्रवाई पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना द्वारा अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तारतम्य में थाना प्रभारी गरोठ उप निरीक्षक बलवीरसिंह यादव के निर्देशन में सहायक उप निरीक्षक जसराजसिंह चंदेल व उनकी टीम द्वारा की गई। घटना अनुसार 29.09.2026 को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि गोविन्द पिता विष्णु निवासी नारिया बुजुर्ग अपने साथी के साथ मिलकर एक बिना नंबर के पावर ट्रैक कंपनी के ट्रैक्टर मय ट्रॉली में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरकर ग्राम मोलाखेड़ी तरफ से बर्डिया अमरा तरफ जाने वाला है।

जनता की चौपाल में एक्शन: एसपी ने खुद सुनीं 52 फरियादियों की समस्याएं, 12 सीएम हेल्पलाइन मामलों का मौके पर ही द एंड

तत्परता- पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित हुआ जिला स्तरीय शिकायत निवारण शिविर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आम जनता की शिकायतों के त्वरित और पारदर्शी निराकरण के लिए मंगलवार को पुलिस कंट्रोल रूम के सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई एवं सीएम हेल्पलाइन निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश व्यास ने खुद कमान संभालते हुए जिले भर से आए करीब 52 फरियादियों की पीड़ा सुनी। एसपी ने आवेदनों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित थाना प्रभारियों को निष्पक्ष और समय-सीमा के भीतर कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए।

उज्जैन जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक के दिशा-निर्देशों पर आयोजित इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य लंबे समय से लंबित जन शिकायतों और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का त्वरित और संतुष्टिपूर्ण निपटारा करना था।

शिविर की सबसे बड़ी उपलब्धि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित निराकरण रहा। यहाँ लेवल-1, लेवल-2 और लेवल-3 स्तर की कुल 12 जटिल शिकायतों को दोनों पक्षों की मौजूदगी में संतुष्टिपूर्वक सुलझाया गया। आवेदकों की सहमति के बाद इन शिकायतों को मौके पर ही पोर्टल पर बंद करवाया गया। एसपी व्यास ने अधिकारियों से कहा कि पुलिस कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिससे पीड़ित को न्याय का अहसास हो। जनसुनवाई के दौरान फरियादी अलग-अलग तरह की समस्याएं लेकर पहुंचे थे। इनमें सबसे ज्यादा मामले भूमि विवाद, पुलिस की पूर्व कार्रवाई से असंतुष्ट होने और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़ी शिकायतों के थे। एसपी ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से पढ़ा और अधिकारियों को हिदायत दी कि किसी भी मामले को बेवजह लंबित न रखा जाए।

नागरिकों को जिला मुख्यालय के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए एसपी राजेश व्यास ने एक दूरगामी निर्देश जारी किया है। उन्होंने जिले के सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों को आदेश दिए हैं कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में समय-समय पर स्थानीय जन शिकायत निवारण शिविर आयोजित करें। इससे ग्रामीणों और स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान उनके घर के पास ही हो सकेगा।

इस महत्वपूर्ण शिविर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल, सीएसपी किरण चौहान, डीएसपी (महिला सुरक्षा) निकिता सिंह, जावद एसडीओपी हर्ष राठौर, मनासा एसडीओपी शाबेरा अंसारी और प्रशिक्षु डीएसपी दिव्या चंद्रवंशी सहित जिले के तमाम थाना प्रभारी व शाखा प्रभारी उपस्थित रहे, जिन्होंने आवेदनों के निराकरण में सक्रिय भूमिका निभाई।

48 घंटे में दिनदहाड़े नकबजनी का खुलासा, गिरोह के दो शातिर चोर गिरफ्तार

पिपलियामंडी पुलिस ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से बालागुढ़ा व उमरिया की वारदातें सुलझाई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी थाना पुलिस ने संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बालागुढ़ा और उमरिया गांव में दिनदहाड़े हुई नकबजनी की वारदातों का 48 घंटे के भीतर खुलासा किया है। पुलिस ने दो शातिर अंतर्राज्यीय आदतन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी सहित कुल 4 लाख 62 हजार 150 रुपए का मश्रुका बरामद किया है। वारदात में प्रयुक्त बिना नंबर की होंडा शाइन मोटरसाइकिल, जिसकी कीमत करीब एक लाख रुपए है, भी जब्त की गई है। कुल जब्त मश्रुका की कीमत 5 लाख 62 हजार 150 रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मिथुन बाबू उर्फ अलताफ (38) पिता नजीर शाह फकीर, निवासी कच्ची बस्ती, निम्बाहेड़ा, जिला चित्तौड़गढ़ तथा इजराईल उर्फ कालू मोहम्मद (40) पिता इस्माईल खान निवासी पितलवाड़ी कला, थाना छोटी सादड़ी, जिला प्रतापगढ़ के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार 27 सितंबर को बालागुढ़ा निवासी संदीप पिता सुरेशचंद्र प्रजापत ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात बदमाश उसके सूने मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और नगदी चोरी कर ले गए। इस पर पिपलियामंडी थाने में मामला दर्ज किया गया। इसी प्रकार उमरिया निवासी पन्नालाल मालवीय ने भी सूने मकान का ताला तोड़कर आभूषण व नगदी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। इस मामले में प्रकरण दर्ज किया गया। दोनों वारदातों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने क्षेत्र में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ साइबर सेल मंदसौर से तकनीकी सहायता ली गई। जांच के दौरान मिले सुरागों और मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर बालागुढ़ा की वारदात में चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण एवं नगदी, जिसकी कुल कीमत 2 लाख 50 हजार 130 रुपए है, बरामद की। वहीं उमरिया की वारदात से संबंधित 2 लाख 12 हजार 20 रुपए कीमत के आभूषण एवं नगदी भी बरामद किए गए। दोनों मामलों से बरामद कुल चोरी का मश्रुका 4 लाख 62 हजार 150 रुपए है। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की होंडा शाइन मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस के अनुसार आईसीजेएस पोर्टल पर आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड खंगालने पर दोनों के खिलाफ मध्यप्रदेश और राजस्थान के विभिन्न थानों में चोरी, नकबजनी सहित अन्य अपराधों के प्रकरण सामने आए हैं। मिथुन उर्फ अलताफ के खिलाफ नीमच, पिपलियामंडी, जावद, चित्तौड़गढ़, उदयपुर और भीलवाड़ा क्षेत्र के विभिन्न थानों में वर्ष 2009 से 2026 तक कुल 21 प्रकरण दर्ज होना बताया गया है। इनमें चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के मामले शामिल हैं। वहीं इजराईल उर्फ कालू मोहम्मद के खिलाफ राजस्थान के छोटी सादड़ी, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा क्षेत्र में वन अधिनियम, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज होना बताया गया है। उसके खिलाफ पिपलियामंडी थाने में वर्तमान दोनों नकबजनी के मामले भी दर्ज हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह इवने, उपनिरीक्षक रितेश डामोर, उपनिरीक्षक जया भारद्वाज, प्रधान आरक्षक नरेंद्र धनगर, विजय परमार, आरक्षक नेमाराम जाट, नागेश्वर पाटीदार, रिकु सिंह, पवन पाटीदार, जुगल किशोर, नरेंद्र जोशी और राहुल पाटीदार की भूमिका रही। इसके अलावा जिला नीमच के प्रधान आरक्षक देवीलाल डीगा, थाना साइबर चित्तौड़गढ़ के सहायक उपनिरीक्षक रामावतार मीणा तथा थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा के आरक्षक ज्ञानप्रकाश का भी सहयोग रहा। टीआई विक्रमसिंह इवने के अनुसार आरोपियों से पूछताछ में सामने आए अन्य मामलों और चोरी की घटनाओं के संबंध में भी जांच जारी है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 71 आवेदकों की समस्याएं

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 71 आवेदकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का नियमानुसार परीक्षण कर प्राथमिकता और समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में फसल बीमा, उपचार, प्रधानमंत्री आवास, भूमि एवं अतिक्रमण, पट्टा, राजस्व अभिलेख, नामांतरण, बंटवारा, पशुपालन ऋण, रोजगार तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। आवेदकों द्वारा आवास एवं पट्टा दिलाने, आर्थिक सहायता, भूमि विवाद के निराकरण, राजस्व संबंधी समस्याओं, शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, रास्ता खुलवाने, विद्युत पोल हटाने, ऑनलाइन राजस्व अभिलेख दर्ज कराने, ऋण संबंधी राहत तथा रोजगार के लिए वाहन उपलब्ध कराने सहित अन्य समस्याएं प्रस्तुत की गईं। कलेक्टर श्री चंद्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन प्रकरणों का निराकरण जिला स्तर पर संभव है, उनमें त्वरित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें तथा आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव, अपर कलेक्टर श्री बी.एस. कलेश, डिप्टी कलेक्टर श्री चंद्रसिंह धार्वे, सुश्री श्रुति भायडिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भानपुरा पुलिस ने 120 ग्राम एमडी व 4 किलो 700 ग्राम डोडाचूरा पकड़ा, एक आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भानपुरा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक विनय बुंदेला एवं उनकी टीम ने 120 ग्राम एमडी व 4 किलो 700 ग्राम डोडाचूरा पकड़ा है। मामले में एक आरोपी बिना नंबर की बाइक सहित गिरफ्तार हुआ है। पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना द्वारा अवैध मादक प्रदार्थ की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तारतम्य में उप निरीक्षक धर्मेश यादव चौकी प्रभारी भैसोदा मंडी की टीम ने भैसोदा मंडी बस स्टैंड के पास आम रोड पर कार्यवाही की। टीम ने आरोपी धीरप लाल मेहर पिता इन्दरलाल मेहर उम्र 23 साल निवासी सादरो का खेड़ा थाना डग जिला झालावाड़ (राज.) के कब्जे से मादक पदार्थ बरामद किया है।

व्यवसायिक गरबा, महिलाओं की सुरक्षा एवं अश्लील गीतों पर गरबे पर रोक को लेकर तीन थानों में सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सकल हिन्दू समाज एवं हिन्दू जागरण मंच ने पुरे मालवा में एक साथ क्षेत्रीय थानों पर ज्ञापन सौंपा। इससे पूर्व सकल हिन्दू समाज एवं हिन्दू जागरण मंच ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर व्यवसायिक गरबों को अनुमति नहीं देने की मांग की थी। इस तारतम्य में पुरे मालवा में थानों पर ज्ञापन सौपे गए। सकल हिन्दू समाज एवं हिन्दू जागरण मंच के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में गाँधी चौराहे पर एकत्रित हुए। वहाँ से शहर कोतवाली थाना पहुंचे और ज्ञापन सौंपकर मुख्य मांगे रखी। ज्ञापन में कहा है गया कि नवरात्री हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परम्परा का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। गरबा एवं देवी आराधना हमारी लोक सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। इस पवित्र परंपरा को केवल व्यावसायिक, मनोरंजन, प्रवेश शुल्क, पास बाजार आधारित आयोजन हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक भावना के प्रतिकूल है। सकल हिंदू समाज मांग करता है कि नवरात्रि का पावन पर्व मां की आराधना का पर्व है, इस अवसर पर आयोजित होने वाले गरबों में उन्हीं गरबा पांडाल को अनुमति प्रदान की जाए जो विधिवत 9 दिवस माता जी की मूर्ति/तस्वीर लगाकर आराधना पूजा अर्चना करें। एक या दो दिवस गरबा नाइट इवेंट के लिए जो गरबे आयोजित होते हैं उन्हें बिल्कुल अनुमति प्रदान नहीं की जाए। गरबे खेलने आने वाली महिलाओं/बालिकाओं को सुरक्षित उनके घर पहुंचने की जवाबदारी गरबा आयोजन समिति की हो यह सुनिश्चित किया जाए। गरबा पांडाल में महिलाओं बालिकाओं को पूर्ण सुरक्षा दी जाए तथा उनके कोई भी फोटो ना खींचे इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए। गरबा पांडाल में एंट्री पास नहीं हो। गरबा पांडाल में किसी भी विधर्मी का प्रवेश ना हो। गरबे धार्मिक भजन पर ही आयोजित हो किसी अश्लील गाने पर गरबे ना हो। मंदसौर में सबसे पहले शहर कोतवाली थाने पर ज्ञापन सौंपा गया। इसके बाद यशोधर्मन नगर थाने पर ज्ञापन सौंपकर सभी सकल हिन्दू समाज के कार्यकर्ता नई आबाद थाने पर पहुंचे और ज्ञापन सौंपा।

भरपूर पानी होने के बावजूद भी कम प्रेशर के कारण नहीं मिल रहा पर्याप्त पेयजल-सुरेन्द कुमावत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बारिश का मौसम चल रहा है नगर के लगभग सभी जलाशयों में भरपूर पानी है। चंबल पेयजल भी है, कालाभाटा बांध भी लबालब भरा है लेकिन इन सबके बावजूद नगर पालिका द्वारा वितरित किये जाने वाले पेयजल के नलों मे बेहद कम प्रेशर आ रहा है। भरपूर पानी होने के बावजूद नगर की जनता को इस संकट का सामना करना पड़ रहा है।

उक्त आरोप लगाते हुए जिला कांग्रेस के महामंत्री सुरेन्द्र कुमावत ने बताया कि भरपूर पानी होने के बावजूद नगर की जनता को पर्याप्त मात्रा में पेयजल नहीं दिया जा रहा है। नगर में कई ऐसे परिवार है जो अपनी दैनिक पेयजल की आपूर्ति के लिए नगर पालिका की जल वितरण व्यवस्था पर निर्भर है। कुमावत ने बताया कि भाजपा शासित मंदसौर की नगर पालिका उपभोक्तओं से पेयजल के नाम पर तीस दिनों का टैक्स लेती है लेकिन पेयजल वितरण एक दिन छोडकर किया जाता है यानी की 15 दिन जबकि कालाभाटा बांध और चम्बल के पानी जैसी योजनाएं के चलते मंदसौर नगर पालिका दम भरती है कि हमारे पास पर्याप्त पानी है। लेकिन इसके बावजूद 15 दिन पानी दिया जा रहा है उसमें भी जिस दिन पानी आता है। कम प्रेशर के कारण पर्याप्त पानी नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण कई परिवार दो दिन तक पानी चल सकें इतना भंडारण नहीं कर पा रहे है जिसके कारण मंदसौर नगर के कई परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। कुमावत ने कहा कि नगर पालिका मंदसौर में ऐसा कोई जिम्मेदार नहीं है, जिससे नगर की जनता अपनी व्यथा सुना सके। नगर पालिका के सभी जनप्रतिनिधि और कर्मचारी लापरवाह बने हुए जिनके पास जनता की समस्या को सुनने या उनके निराकरण करने का समय नहीं है। पार्षदों की स्थिति यह है कि हमेशा यही कहते है कि हमारी कोई सुन नहीं रहा है जिसके कारण जतना अपने आप को ठगा सा महसूस कर रही है। जनता का मौलिक अधिकार है कि उन्हें स्वच्छ और पर्याप्त पानी मिले। श्री कुमावत ने नगर पालिका से मांग की इस गंभीर समस्या का जल्द से जल्द निराकरण करे ताकि मंदसौर की जनता को परेशान नहीं होना पड़े।

पेंशन कार्यालय भोपाल के केंद्रीकरण के बाद पेंशन प्रकरणों में देरी, पेंशनर्स परेशान

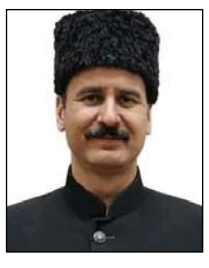

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश शासन द्वारा पेंशन संबंधी कार्यों के केंद्रीकरण और पेंशन कार्यालय भोपाल से किए जाने के बाद से सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं शिक्षकों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण में देरी की शिकायतें सामने आ रही हैं। कई पेंशनर्स का कहना है कि उनका पेंशन भुगतान आदेश पीपीओ जारी होने के बावजूद चार-पाँच माह तक नियमित पेंशन प्राप्त नहीं हो रही है। इसके साथ ही सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले अन्य देयकों एवं स्वयं के भुगतान भी निर्धारित समय-सीमा में नहीं हो पा रहे हैं। इस स्थिति के कारण सेवानिवृत्त कर्मचारी और शिक्षक आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। जिन लोगों ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष शासन की सेवा में लगाए हैं, उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद अपनी ही पेंशन एवं अन्य वैधानिक देयकों के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें, यह स्थिति चिंता का विषय है।

स्वतंत्र लेखक एवं शिक्षाविद् असअद अंसारी ने मध्य प्रदेश शासन से मांग की है कि पेंशन संबंधी कार्यों के केंद्रीकरण के बाद उत्पन्न हो रही व्यावहारिक कठिनाइयों की तत्काल समीक्षा की जाए और जिन पेंशनर्स के पीपीओ जारी हो चुके हैं, उनके लंबित पेंशन भुगतान की स्थिति की प्राथमिकता के आधार पर जाँच कर शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जाए। अंसारी ने कहा कि पेंशन किसी कर्मचारी पर शासन की कृपा नहीं, बल्कि उसकी वर्षों की सेवा के बाद मिलने वाला वैधानिक अधिकार है। इसलिए पेंशन प्रकरणों के निपटारे में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। विशेष रूप से उन मामलों में, जिनमें पीपीओ जारी हो चुका है, पेंशन भुगतान में चार-पाँच महीने की देरी के कारणों को स्पष्ट किया जाना चाहिए और जिम्मेदार स्तर पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि लंबित मामलों की जिलेवार समीक्षा की जाए। पेंशनर्स को अपने प्रकरण की वर्तमान स्थिति जानने के लिए स्पष्ट ऑनलाइन व्यवस्था, शिकायत निवारण प्रणाली और निर्धारित समय-सीमा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं शिक्षक अपने जीवन के इस पड़ाव पर आर्थिक सुरक्षा और सम्मान के अधिकारी हैं। पेंशन व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाकर ही उन्हें वास्तविक राहत दी जा सकती है।

अफजलपुर पुलिस ने 200 पेटी अवैध शराब के साथ बोलेरो पिकअप जब्त की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस कप्तान विनोद कुमार मीना द्वारा अवैध शराब की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तारतम्य में अफजलपुर थाना प्रभारी उप निरीक्षक विकास गेहलोत की टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए एक बोलेरो पिकअप में भरी 200 पेटी देशी व मसाला शराब कुल 1800 बल्क लीटर शराब मय बोलेरो पिकअप वाहन के पकड़ने में सफलता प्राप्त की। घटना अनुसार 28 सितम्बर को अफजलपुर थाना पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर की सूचना के आधार पर तत्काल कार्यवाही करते हुए टीम गठित कर नाकाबंदी कर रोकने का प्रयास किया। बोलेरो पिकअप के चालक ने वाहन को नई आबादी अफजलपुर रास्ते पर मोड़ लिया, जिसका पीछा करने पर रास्ता बंद होने से चालक गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गया। बोलेरो पिकअप रजिस्ट्रेशन क्रमांक एम

सम्पादकीय

विज्ञापन बंद हों, नशे के जाल से बचें युवा

सेलिब्रिटी और सार्वजनिक व्यक्तित्व समाज में एक विशेष प्रभाव रखते हैं। उनके शब्दों, व्यवहार और जीवनशैली को मीडिया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप से लोगों तक पहुँचाया जाता है, जिससे वे विशेषकर युवाओं के लिए प्रभावशाली आदर्श बन जाते हैं। यह लोकप्रियता केवल अवसर ही नहीं देती, बल्कि एक नैतिक जिम्मेदारी भी पैदा करती है। नशे की लत आज स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समरसता के लिए गंभीर चुनौती है। सामाजिक प्रभाव का अर्थ दूसरों के विचारों, दृष्टिकोण और व्यवहार को प्रभावित करने की क्षमता से है। फिल्म कलाकारों, खिलाड़ियों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स, अधिकारियों और अन्य सार्वजनिक व्यक्तित्वों का प्रभाव मनोरंजन या प्रशासन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि तब नैतिक जिम्मेदारी का रूप ले लेता है, जब वह नशीले पदार्थों के सेवन जैसे जीवन को प्रभावित करने वाले निर्णयों पर असर डालता है। जब सार्वजनिक व्यक्तित्व गीतों, फिल्मों, सोशल मीडिया पोस्ट या व्यक्तिगत आचरण के माध्यम से नशे को सामान्य या आकर्षक रूप में प्रस्तुत करते हैं, तो इससे युवाओं में यह संदेश जा सकता है कि नशा स्वीकार्य, आधुनिक या सफलता का आसान रास्ता है। इसके विपरीत, जब वे नशामुक्त जीवनशैली को अपनाते हैं, नशे के खिलाफ बोलते हैं और पुनर्वास का समर्थन करते हैं, तो वे नशे को मना करना सामाजिक रूप से सम्मानजनक विकल्प बनाने में मदद कर सकते हैं।

युवा अक्सर उन्हीं लोगों का अनुकरण करते हैं, जिन्हें वे अपना आदर्श मानते हैं। ऐसे खिलाड़ी जो फिटनेस, अनुशासन और नशामुक्त जीवनशैली पर जोर देते हैं, वे युवाओं के सामने तत्काल आनंद और नशे की संस्कृति का एक सकारात्मक विकल्प प्रस्तुत करते हैं। जब खिलाड़ी, फिटनेस इन्फ्लुएंसर और सेलिब्रिटी खुले तौर पर नशे को अस्वीकार करते हैं, तो स्वस्थ जीवनशैली युवाओं के लिए आकर्षक बनती है। नशामुक्ति से जुड़े विभिन्न अभियानों में फिल्म कलाकारों और खेल जगत की हस्तियों की भागीदारी ने युवाओं को स्वस्थ और जिम्मेदार जीवन चुनने का संदेश दिया है। ऐसे संदेश इसलिए प्रभावशाली हो सकते हैं क्योंकि वे उन व्यक्तियों की ओर से आते हैं, जिन्हें युवा पहले से पसंद और सम्मान करते हैं। सेलिब्रिटी इस धारणा को भी चुनौती दे सकते हैं कि ÷हर कोई नशा करता है÷ या नशा केवल युवावस्था का सामान्य अनुभव है। नशामुक्त भारत अभियान जैसे प्रयासों से जुड़कर सार्वजनिक व्यक्तित्व नशे को जीवनशैली के बजाय एक गंभीर स्वास्थ्य और सामाजिक चुनौती के रूप में देखने की समझ विकसित करने में योगदान दे सकते हैं। कई सार्वजनिक अभियानों में परिवार के भीतर खुलकर बातचीत करने और नशे से प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार अपनाने पर भी जोर दिया गया है।

साथियों का दबाव अक्सर युवाओं को नशे के प्रयोग की ओर धकेलता है। जब लोकप्रिय व्यक्तित्व अपने मंचों के माध्यम से नशामुक्त जीवन को प्रोत्साहित करते हैं, तो वे सामाजिक सोच और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दे सकते हैं। सोशल मीडिया अभियान, डिजिटल शपथ, जागरूकता कार्यक्रम और युवाओं के नेतृत्व वाले आंदोलनों को सेलिब्रिटी समर्थन मिलने से नशामुक्ति एक सामूहिक सामाजिक संदेश बन सकती है। प्रभावशाली नेतृत्व के साथ संचालित योजनाबद्ध अभियानों के माध्यम से बड़ी संख्या में युवाओं को जोड़ा जा सकता है। नशे की समस्या अक्सर चुप्पी और शर्म के कारण और गंभीर हो जाती है। सार्वजनिक व्यक्तित्व जब अपने या दूसरों के नशामुक्ति के अनुभवों के बारे में खुलकर बात करते हैं, तो वे नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को केवल दोषी या अपराधी मानने के बजाय सहायता और उपचार की आवश्यकता वाले व्यक्ति के रूप में देखने की सोच विकसित कर सकते हैं। इससे सामाजिक कलंक कम हो सकता है और परिवार प्रभावित व्यक्ति को समय रहते उपचार दिलाने के लिए आगे आ सकते हैं। रैलियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, विशेषज्ञों की चर्चाओं और जागरूकता अभियानों को एक साथ जोड़ने वाले प्रयास नशे की रोकथाम और पुनर्वास को सामुदायिक जिम्मेदारी बनाने में मदद कर सकते हैं। हालाँकि केवल जागरूकता पर्याप्त नहीं है; उसे ठोस और निरंतर कार्रवाई में बदलना भी आवश्यक है। प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय नेतृत्व सेलिब्रिटी प्रभाव का उपयोग दीर्घकालिक नशामुक्ति अभियानों के निर्माण में कर सकते हैं। प्रभावी अभियानों में जागरूकता के साथ कानून का पालन, उपचार, पुनर्वास और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को भी शामिल किया जाना चाहिए। खेल, संस्कृति और विद्यालयों से जुड़ी गतिविधियाँ युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए सकारात्मक विकल्प उपलब्ध करा सकती हैं।

ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या : सत्य से साक्षात्कार सहजयोग

मानव जीवन केवल जन्म लेने, सांसारिक जिम्मेदारियाँ निभाने और सुख-सुविधाएँ प्राप्त करने के लिए नहीं है। हमारे जीवन का वास्तविक उद्देश्य है–अपने आपको जानना। सदियों से मनुष्य के भीतर एक प्रश्न उठता आया है–मैं कौन हूँ? इस प्रश्न का उत्तर ही हमारी आध्यात्मिक यात्रा का प्रारंभ है।

आद्य शंकराचार्य ने कहा–ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या। इसका अर्थ है कि परम सत्य ब्रह्म है, जबकि यह संसार परिवर्तनशील और क्षणभंगुर है। जिस परमपिता परमेश्वर की हम खोज बाहर करते हैं, उसी का अंश हमारे भीतर आत्मा के रूप में विद्यमान है। आत्मसाक्षात्कार उस आंतरिक सत्य को अनुभव करने का द्वार है।

किन्तु मनुष्य अपने दैनिक जीवन, परिवार, संबंधों, इच्छाओं और भौतिक उपलब्धियों में इतना उलझ जाता है कि अपने वास्तविक स्वरूप को भूल जाता है। इसी सत्य को समझाने वाली नारद मुनि की कथा अत्यंत सुंदर है। नारद मुनि भगवान विष्णु के परम भक्त थे। वे सदैव नारायण, नारायण का जाप करते हुए तीनों लोकों में विचरण करते और लोगों को ईश्वरभक्ति का संदेश देते थे। एक दिन ब्रह्मदेव ने उनसे कहा–तुम लोगों को गृहस्थ जीवन से दूर रहने का उपदेश देते हो, लेकिन क्या तुमने कभी गृहस्थ जीवन की माया और उसके बंधनों को अनुभव किया है? नारदजी ने यह बात भगवान विष्णु को बताई। भगवान विष्णु मुस्कुराए और उन्हें एक तालाब से कमंडलु में जल लाने के लिए भेजा। तालाब के पास पहुँचकर नारदजी ने एक अद्भुत संसार देखा। वहाँ सुंदर महल, रमणीय उद्यान और एक अत्यंत सुंदर युवती थी। नारदजी उससे प्रभावित हुए, विवाह किया और देखते ही देखते गृहस्थ जीवन में पूरी तरह लीन हो गए। परिवार बढ़ा और वे अपने संसार में अत्यंत सुखी रहने लगे। एक दिन भयंकर तूफान आया। देखते ही देखते उनके पुत्र और पत्नी उनसे बिछड़ गए। दुःख से व्याकुल नारदजी एक वृक्ष को पकड़कर रोने लगे। उसी क्षण उन्हें अपने गुरु भगवान विष्णु की याद आई। तभी किसी ने उनके कंधे पर हाथ रखा। पीछे मुड़कर देखा तो भगवान विष्णु सामने खड़े थे। नारदजी ने आश्चर्य से देखा कि वे फिर उसी तालाब के किनारे खड़े हैं और उनके हाथ में वही खाली कमंडलु है। उन्हें समझ आया कि जो कुछ उन्होंने वर्षों तक अनुभव किया, वह भगवान की माया का केवल एक क्षण था। भगवान विष्णु ने कहा–नारद, मेरी माया में तुम जैसे ज्ञानी भी इतने लीन हो गए, तो सामान्य मनुष्य की स्थिति क्या होगी? यह कथा हमें बताती है कि संसार में रहते हुए हमें अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं भूलना चाहिए। सुख-दुःख, संबंध, संपत्ति और परिस्थितियाँ सब परिवर्तनशील हैं। जीवन भी एक छोटे से स्वप्न की तरह है। वास्तविक और शाश्वत सत्य हमारे भीतर स्थित आत्मा है।

सहजयोग हमें इसी आंतरिक सत्य को अनुभव करने का मार्ग दिखाता है। आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से हम अपने भीतर स्थित उस शांति, आनंद और परम सत्य को अनुभव कर सकते हैं, जिसकी खोज में मनुष्य जीवन भर बाहर भटकता रहता है।आइए, इस अमूल्य मानव जीवन को केवल संसार में खोने के बजाय अपने भीतर की यात्रा प्रारंभ करें।

डिजिटल इंडिया के दरवाजे पर रिश्वत की पुरानी दस्तक

कागज कंप्यूटर में पहुंच गया, व्यवस्था वहीं की वहीं है। जिस देश में सरकार मोबाइल पर सेवाएं देने का दावा करती है, वहां मृत परिजन की संपत्ति अपने नाम कराने के दौरान 58 प्रतिशत परिवारों को रिश्वत देनी पड़ी; इनमें 73 प्रतिशत ने प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन/भूमि कार्यालय को इसका प्रमुख केंद्र बताया। सवाल इसलिए केवल भ्रष्टाचार का नहीं, डिजिटल शासन की विश्वसनीयता का है। लोकलसर्किल्स का ताजा सर्वेक्षण डिजिटल इंडिया की चमक के पीछे की दरार दिखाता है। चार साल पहले रिश्वत देने वाले परिवारों का आंकड़ा 52 प्रतिशत था। यानी कंप्यूटर, पोर्टल और ऑनलाइन रिकॉर्ड आए, पर रिश्वत घटने के बजाय बढ़ी। डिजिटल सुधार की असली कसौटी स्क्रीन पर दिखता रिकॉर्ड नहीं, नागरिक का बिना घूस अपना अधिकार हासिल करना है।

विडंबना यही है कि सरकार ने कागजों को डिजिटल कर दिया, प्रक्रिया को नहीं। रिकॉर्ड ऑफ राइट्स का कंप्यूटरीकरण लगभग पूरा है, सब-रजिस्ट्रार कार्यालय ऑनलाइन हो रहे हैं और भू-आधार जैसी योजनाओं से भूमि रिकॉर्ड आधुनिक बनाने की कोशिश जारी है। दिल्ली जैसे शहरों में एआई आधारित सत्यापन और ब्लॉकचेन तक की चर्चा है। फिर भी जमीन पर संपत्ति ट्रांसफर के लिए व्यक्तिगत उपस्थिति, भौतिक दस्तावेज, अंगूठे के निशान और अधिकारी की मंजूरी जैसी बाधाएं कायम हैं। तकनीक ने फाइल को स्क्रीन तक पहुंचा दिया, लेकिन उसे रोकने की ताकत अब भी उसी मेज पर है। डिजिटल व्यवस्था ने सुविधा का आवरण जरूर बदला है, मगर पुराने विवेकाधिकार को खत्म नहीं किया।

मृत्यु के बाद संपत्ति अपने नाम कराने की प्रक्रिया परिवार के दुख को प्रशासनिक यातना में बदल देती है। एक ओर अपने व्यक्ति को खोने का आघात, दूसरी ओर प्रमाणपत्र, दस्तावेज, आपत्तियां और दफ्तरों के चक्कर। ऐसे में ÷काम जल्दी चाहिए तो कुछ व्यवस्था करनी होगी÷ जैसा संकेत भी परिवार को समझौते पर मजबूर करता है। सर्वेक्षण में केवल 32 प्रतिशत परिवारों ने बिना बड़ी परेशानी के प्रक्रिया पूरी की; 58 प्रतिशत को कहीं न कहीं रिश्वत देनी पड़ी, जबकि कुछ ने प्रक्रिया शुरू ही नहीं की या वह लंबी खिंचती रही। यह देरी सिर्फ फाइल की नहीं, परिवार की आर्थिक सुरक्षा की भी है। बैंकों में करीब 78 हजार करोड़ और बीमा कंपनियों में लगभग 14 हजार करोड़ रुपये का दावा न किया गया धन इसी जटिलता और देरी की आर्थिक कीमत दिखाता है।

भूमि रिकॉर्ड की कमजोरी भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी दरार है। कई राज्यों में कैडस्ट्रल मानचित्रों का डिजिटलीकरण अधूरा है। रजिस्ट्रेशन और म्यूटेशन अलग-अलग चलते हैं–एक जगह रजिस्ट्री हो जाती है, दूसरी जगह नाम दर्ज होने में समय लगता है। पुराने सर्वेक्षण, वास्तविक कब्जे और सरकारी रिकॉर्ड का अंतर विवाद पैदा करता है। जब मूल रिकॉर्ड ही अद्यतन और एकरूप न हो, तो अधिकारी के विवेक की गुंजाइश बढ़ती है और वहीं रिश्वत के रास्ते खुलते हैं। डिजिटल रिकॉर्ड ने सूचना तो सुलभ की है, लेकिन जवाबदेही की ऐसी मजबूत कड़ी नहीं बनाई, जो नागरिक को तय समय में, बिना अतिरिक्त भुगतान, अपना काम होने का भरोसा दे सके।

पंजीकरण कार्यालय इस भ्रष्ट तंत्र का सबसे बड़ा पड़ाव बनकर सामने आते हैं। सर्वेक्षण में 73 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इन्हीं कार्यालयों को रिश्वत का प्रमुख केंद्र बताया। कुछ परिवारों ने केवल यहीं भुगतान किया, तो कुछ को अदालतों और दूसरे सरकारी दफ्तरों में भी पैसा देना पड़ा। प्रक्रिया जितनी पेचीदा, दलाल उतना जरूरी। सामान्य नागरिक को न दस्तावेजों की पूरी जानकारी होती है, न आपत्तियों की वैधता और न प्रक्रिया के अगले चरण का स्पष्ट पता। इसी अंधेरे में बिचौलियों का कारोबार फलता है। रिश्वत से इनकार करने वाले परिवारों का काम महीनों, कभी वर्षों तक अटक सकता है। यानी रिश्वत सिर्फ पैसा नहीं वसूलती, नागरिक से उसका समय भी छीनती है।

डिजिटल भारत की असली परीक्षा पोर्टल पर नहीं, उस आखिरी सरकारी मेज पर होती है जहां नागरिक का काम अटकता है। पोर्टल पर आवेदन कर देना पारदर्शिता नहीं, अगर उसे आगे बढ़ाने के लिए नागरिक को फिर दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ें। ऑनलाइन रिकॉर्ड भी जवाबदेही नहीं, अगर गलती सुधारने का रास्ता अस्पष्ट हो। एआई और ब्लॉकचेन का नाम भी बेअसर है, अगर अंतिम फैसला ऐसी प्रक्रिया में अटका रहे जिसकी देरी का कारण नागरिक को पता ही न चले। तकनीक तभी भ्रष्टाचार घटाती है, जब वह अनावश्यक मानवीय संपर्क घटाए, नियम स्पष्ट करे और हर कदम की जिम्मेदारी तय करे। वरना भ्रष्टाचार भी तकनीक के साथ अपना चेहरा बदल लेता है।

अब सुधार का रास्ता नई तकनीक जोड़ने में नहीं, पुरानी प्रक्रिया की गांठ खोलने में है। रजिस्ट्रेशन और म्यूटेशन को एकीकृत कर ऐसा तंत्र बने, जिसमें वैध रजिस्ट्री के बाद भूमि रिकॉर्ड में नामांतरण स्वतः या न्यूनतम मानवीय हस्तक्षेप से हो। भौतिक उपस्थिति अपवाद हो, नियम नहीं। हर आवेदन की तय समय-सीमा हो और नागरिक डिजिटल ट्रैकिंग से देख सके कि फाइल कहां अटकी है और जिम्मेदार कौन है। शिकायत निवारण केवल ऑनलाइन आवेदन तक सीमित न रहे; समय-सीमा और जवाबदेही भी तय हो। भूमि मानचित्र, स्वामित्व रिकॉर्ड और वास्तविक कब्जे के बीच विसंगतियां दूर करना भी जरूरी है; वरना खराब मूल रिकॉर्ड पर खड़ी डिजिटल व्यवस्था पुरानी समस्या को सिर्फ नई स्क्रीन देगी।

जमीन का मालिकाना हक सरकारी कृपा नहीं, नागरिक का वैधानिक अधिकार है। यदि मृत परिजन की संपत्ति उत्तराधिकारियों के नाम कराने के लिए रिश्वत देनी पड़े, तो दोष केवल भ्रष्ट कर्मचारी का नहीं, उस व्यवस्था का है जिसने अधिकार और उसके क्रियान्वयन के बीच दलाली की जगह छोड़ दी है। डिजिटल भारत की असली परीक्षा स्क्रीन पर नहीं, सरकारी मेज पर होगी। जिस दिन विरासत दर्ज कराने आए परिवार से कोई यह नहीं कहेगा–÷काम तो हो जाएगा, लेकिन व्यवस्था करनी पड़ेगी÷, उसी दिन डिजिटल सुधार सचमुच नागरिक तक पहुंचेगा। वरना पोर्टल बदलते रहेंगे, रिकॉर्ड ऑनलाइन होते रहेंगे और तकनीक आगे बढ़ती रहेगी–लेकिन नागरिक का हक अब भी उसी पुरानी मेज के पीछे बैठा इंतजार करता रहेगा।

-प्रो. आरके जैन

अमेरिकी बाजार का विकल्प खोजे भारत

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से अनुमोदित होने के बाद लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एक्ट-2026 ने कानून का रूप ले लिया है। इस कानून के लागू होने से भारत के आर्थिक हितों पर गंभीर असर पड़ सकता है। सबसे चिंता की बात इस एक्ट का वह प्रविधान है, जिसके तहत अमेरिका उन शीर्ष पांच देशों पर सौ प्रतिशत तक का टैरिफ बढ़ा सकता है, जो देश कानून लागू होने के बाद भी रूस से कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस आयात करते रहते हैं।

हाल के समय में कच्चे तेल के आयात का बिल कम करने और वैश्विक अनिश्चितता के बीच रणनीतिक फायदा उठाने के लिए भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाना शुरू किया है, जिससे रूस से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल का आयात बढ़ा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष से पहले भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी सिर्फ दो प्रतिशत थी, पर अब यह 50 प्रतिशत हो गई है। रूसी कच्चे तेल का आयात इस साल जनवरी में 4.54 मिलियन मीट्रिक टन (एमएमटी) से बढ़कर मई में 8.96 एमएमटी हो गया। हालांकि आपूर्ति सुरक्षित करने में विविधता लाने की यह रणनीति कारगर रही है, पर इसके अपने कूटनीतिक परिणाम भी हैं, खासकर अमेरिका के साथ संतुलन बनाने में, जो इस आयात का पक्षधर नहीं है।

अमेरिका ने भारत सहित 60 देशों पर जबरन श्रम से जुड़े टैरिफ पहले ही लगा रखा है, जिससे भारत पर अमेरिका के मौजूदा टैरिफ 10 प्रतिशत और हो गए हैं। अब अगर रूस सैंक्शन एक्ट लागू हो जाता है और भारत रूस के साथ कच्चे तेल और गैस के आयात को जारी रखता है तो इस पर अतिरिक्त 110 प्रतिशत टैरिफ लग जाएगा। इससे यह सबसे ज्यादा टैरिफ वाले देशों में से एक बन जाएगा। चीन पर भी अमेरिकी टैरिफ 112.5 प्रतिशत हो जाएगा, क्योंकि वह भी रूसी तेल का बड़ा आयातक है। अमेरिका भारत के प्रमुख निर्यात गंतव्य में से एक है। अत्यधिक टैरिफ के कारण भारत अमेरिका में अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता खो सकता है, जिससे आर्थिक नुकसान होगा। भारत के समक्ष एक आर्थिक दुविधा यह है कि वह या तो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूस से आयात जारी रखे और अमेरिकी टैरिफ का सामना करे या फिर अमेरिका जैसे बड़े निर्यात बाजार में पहुंच बनाए रखे, लेकिन ऊर्जा के मोर्चे पर अनिश्चितता का सामना करे।

2025 में भारत ने अपने कुल निर्यात का 20 प्रतिशत अकेले अमेरिका को किया था, जिसमें प्रमुख रूप से इलेक्ट्रानिक उपकरण, फार्मा, हीरे और आभूषण, समुद्री उत्पाद आदि शामिल थे, जो कुल अमेरिकी निर्यात का 45 प्रतिशत थे। टैरिफ लगने की दशा में इन वस्तुओं का निर्यात प्रमुख रूप से प्रभावित होगा। निर्यात कम होने से भारत में उत्पादन कम होगा, जिससे पूंजी एवं श्रम पर मिलने वाला मानदेय कम होगा तथा बहुत से छोटे व्यवसाय बंद होने की कगार पर भी आ सकते हैं।

-सुनील कुमार महला

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है। भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को 'एआई बंद करो' नहीं, बल्कि 'एआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करो' का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निर्माताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है। बिल गेट्स की चेतावनी को भय फैलाने के बजाय समय रहते सावधान करने वाली घंटी के रूप में देखना चाहिए। यदि दुनिया अभी से साझा सुरक्षा मानकों और प्रभावी वैश्विक निगरानी की दिशा में आगे बढ़ती है, तो एआई की अपार शक्ति मानव कल्याण की ऊर्जा बन सकती है, लेकिन यदि सुरक्षा की चिंता को विकास की दौड़ में लगातार पीछे धकेला गया, तो यही शक्ति ऐसी समस्याएं पैदा कर सकती है जिनका समाधान बाद में करना कहीं अधिक कठिन होगा।

-ललित गर्ग

यूपी लिखेगा राष्ट्रीय राजनीति की पटकथा

उत्तर प्रदेश सहित उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर विधानसभा चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में होने हैं। इन सभी राज्यों में चुनावी सरगर्मियां तेज हैं, लेकिन सबकी नजरें उत्तर प्रदेश पर हैं, क्योंकि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के लिए यह तीसरे कार्यकाल का दरवाजा खोल सकता है और लोकसभा चुनाव 2029 की पटकथा लिख सकता है। 2024 में भाजपा उत्तर प्रदेश में 29 सीटों के नुकसान के साथ 33 लोकसभा सीटों पर सिमट गई थी। सपा और कांग्रेस गठबंधन ने 43 सीटें (37+6) जीतीं और भाजपा को लोकसभा में पूर्ण बहुमत हासिल करने से रोक दिया। इसके बावजूद प्रदेश में भाजपा/एनडीए का मत प्रतिशत (44.01) सपा-कांग्रेस गठबंधन (43.52) से ज्यादा था।

याद रहे कि 2012 में सपा ने मात्र 29 प्रतिशत और 2007 में बसपा ने 30 प्रतिशत वोट पर सरकार बनाई थी, इसलिए भाजपा/एनडीए का वर्तमान 40 प्रतिशत जनाधार त्रिकोणीय चुनावी संघर्ष में विजय की संभावनाएं संजोए है, लेकिन भाजपा के विजय की राह आसान नहीं। योगी ने भले ही कानून-व्यवस्था और लोक कल्याण एवं विकास पर जनता का विश्वास हासिल किया है, लेकिन चुनावों में मतदाता विपक्षी विमर्श के भ्रमजाल में फंस कर कहीं और भी जा सकता है। विगत लोकसभा चुनावों में यही हुआ था। अखिलेश-राहुल ने भाजपा के 400 पार पर यह नैरेटिव गढ़

साल भर से पुलिस को छका रहे 10 हजार के चार इनामी डकैत धराए, 9.90 लाख नकद व दो बाइक सहित 12 लाख का मशरूका जब्त

तीन थानों की पुलिस ने तोड़ा अपराधियों का तिलिस्म, एसपी ने प्रेस वार्ता में किया खुलासा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मक्सी थाना क्षेत्र में साल भर पहले सोने-चांदी के जेवरात और नकदी लूटकर पुलिस के लिए चुनौती बने शातिर गिरोह का आखिरकार पर्दाफाश हो गया है। वारदात के बाद से ही लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस को छका रहे 10 हजार रुपये के चार इनामी बदमाशों को तीन थानों की संयुक्त टीम ने सायबर सेल की मदद से रूलकी कंजर डेरा में दबिश देकर दबोच लिया। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान इस बड़ी कार्रवाई का खुलासा किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से लूट के आभूषण बेचकर हासिल की गई 9 लाख 90 हजार रुपये की बड़ी नकदी और वारदात में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिलों सहित कुल 12 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है।

आभूषण और नकदी लूटकर हो गए थे फरार- प्रेस वार्ता में एसपी प्रियंका शुक्ला ने बताया कि मक्सी थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 202/2025 के तहत धारा 309(6), 296, 351(3), 127(2), 331(6), 310(2) बीएनएस में लूट एवं डकैती का प्रकरण दर्ज किया गया था। एक साल से अधिक समय से लंबित इस मामले में बदमाश सोने का हार, कंदोरा, पायजेब, चांदी के गिलास, सोने की कान की बाली, सोने की चेन, सोने की अंगूठी व अन्य आभूषणों सहित 50 हजार रुपये की नकदी लूटकर भाग निकले थे। वारदात के बाद से ही आरोपी फरार चल रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

तीन थानों के प्रभारियों और सायबर टीम ने बिछाया जाल- लंबित गंभीर अपराध के खुलासे के लिए एसपी शुक्ला के निर्देशन तथा एएसपी घनश्याम मालवीय व एसडीओपी डॉ. नागेन्द्र प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई थी। मक्सी थाना प्रभारी निरीक्षक मदन इवने, बेरछा थाना प्रभारी निरीक्षक भरत सिंह किरार और सलसलाई थाना प्रभारी निरीक्षक जनक सिंह रावत ने अपनी टीमों के साथ तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। सटीक सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर रूलकी कंजर डेरा निवासी चार आरोपियों जोगिंदर उर्फ भूरा पिता फत्ता कंजर (34), सावन पिता किशन कंजर (23), महेंद्र पिता कमल कंजर (23) और विकास पिता माना कंजर (28) को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए इन आरोपियों के खिलाफ मक्सी सहित अन्य थानों में भी स्थायी और गिरफ्तारी वारंट जारी हैं।

गहने बेचकर बांट ली थी नकदी, बिचौलिए की हो चुकी है मौत- पूछताछ में सामने आया कि बदमाशों ने लूटे गए सोने-चांदी के आभूषणों को चिड़ावद जिला देवास निवासी भूपेन्द्र पिता राजेश हाड़ा के माध्यम से बेचा था। जेवरात बेचने से मिली रकम को सभी आरोपियों ने आपस में बांट लिया था। पुलिस के अनुसार, आभूषण बिकवाने वाले आरोपी भूपेन्द्र हाड़ा की मृत्यु हो चुकी है। उसने ये आभूषण किसे बेचे थे, पुलिस वैज्ञानिक साक्ष्यों के जरिए उस खरीदार का पता लगा रही है।

दो फरार बदमाशों की तलाश में जुटी पुलिस- इस सनसनीखेज वारदात में शामिल दो अन्य आरोपी भूरिया पिता बौदिया हाड़ा निवासी पांडा, जिला देवास और चेतन पिता छत्तरमल छाड़ी निवासी रूलकी अभी फरार हैं। पुलिस टीमें दोनों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

सेवा संकल्प यात्रा का सोनकच्छ विधानसभा में आगमन, भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव ने किया स्वागत

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में वाराणसी से वडनगर तक निकाली जा रही ÷जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा÷ का देवास जिले की सोनकच्छ विधानसभा में आगमन हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष रजत पाल सिंह ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा का उद्देश्य सेवा, जनसंवाद एवं जनकल्याण के भाव को जन-जन तक पहुंचाना तथा विकसित भारत के संकल्प को और अधिक सशक्त बनाना है। यात्रा के माध्यम से समाज में सेवा, समर्पण और जनभागीदारी की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सोनकच्छ विधानसभा में स्वागत के पश्चात यात्रा का रात्रि विश्राम देवास में मक्सी बायपास के समीप स्थित राजपूत धर्मशाला में रहेगा। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कमल अहिरवार ने दी।

अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी ने नागरिकों की समस्याएं सुन अधिकारियों को निराकरण के दिये निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी ने आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में 86 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई सुनवाई करते हुए अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी ने निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में प्रधानमंत्री आवास योजना, कृषि भूमि का सीमांकन, बैंक खाते में जमा राशि दिलाए जाने, जलकर में रियायत दिलाई जाने, बिजली बिल कम कराने, पेंशन शुरू कराने, बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, नामांकन, बंटवारा, रास्ते पर से अतिक्रमण हटवाने, कृषि भूमि का नामांतरण कराने, नालियों की साफ-सफाई करने सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। आवेदनों पर सुनवाई करते हुए अपर कलेक्टर श्री सोलंकी ने जांच कर त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर श्री संजीव सक्सेना, डिप्टी कलेक्टर श्री कन्हैयालाल तिलवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर रायफल के साथ फोटो वायरल करने वाले व्यक्ति का शस्त्र लाइसेंस निरस्त

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया पर रायफल के साथ फोटो वायरल करना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया और फोटो के वायरल होते ही कलेक्टर ने शस्त्र लायसेंस निरस्त कर दिया। जानकारी के अुसार रफीक खां को जारी शस्त्र लाइसेंस पर 315 बोर एक नाल बंदूक दर्ज है। उक्त लाइसेंसधारी का एक फोटो रायफल के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था, जिससे आम जनता में डर का माहौल उत्पन्न हो रहा था। इस पर शुजालपुर सिटी पुलिस ने प्रतिवेदन तैयार किया। प्रतिवेदन में उक्त लाइसेंसधारी द्वारा रायफल अन्य व्यक्तियों को फोटो खिंचवाने तथा सार्वजनिक स्थानों पर रायफल प्रदर्शन करने हेतु दिए जाने की बात भी उल्लेखित की गई थी। प्रकरण में पुलिस अधीक्षक जिला शाजापुर द्वारा दिनांक 17.09.2026 को प्रतिवेदन जिला दण्डाधिकारी शाजापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

प्रदेश के समग्र विकास और जनहित को गति देने के लिए 24 हजार 500 करोड़ रूपये की स्वीकृति

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद ने प्रदेश के समग्र विकास और जनहित को गति देने के लिए लगभग 24 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं को मंजूरी दी। युवाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए मंत्रि-परिषद ने पुलिस आरक्षक, विशेष सशस्त्र बल, जेल प्रहरी, वन रक्षक और आबकारी आरक्षक जैसी वर्दीधारी सेवाओं में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का बड़ा फैसला किया है।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 76 हजार से अधिक अतिथि शिक्षकों के मानदेय के लिए आगामी पांच वर्षों के लिए 5,329.17 करोड़ रुपये, स्कूली विद्यार्थियों को गणवेश राशि के लिए 348 करोड़ 7 लाख रुपये तथा स्वास्थ्य केंद्रों व औषधि नियंत्रण के लिए 3,245 करोड़ 80 लाख रुपये स्वीकृत किए गए। अधोसंरचना विस्तार के तहत 4,470 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से दमोह-कटनी 4-लेन मार्ग निर्माण, ग्रामीण विकास निधि के लिए 3,580 करोड़ 22 लाख रुपयें और सिंहस्थ 2028 के दृष्टिगत उज्जैन की कान्ह डायवर्सन परियोजना सहित दतिया, नीमच व सागर की बंडा वृहद सिंचाई परियोजनाओं की निरंतरता को स्वीकृति दी गई। यह निर्णय प्रदेश में रोजगार, बुनियादी ढांचे और सामाजिक कल्याण को गति प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की युवाओं को सशक्त बनाने की मंशा के अनुरूप मंत्रिपरिषद ने प्रदेश की वर्दीधारी सेवाओं में अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मंत्रि-परिषद के निर्णय अनुसार अब गृह विभाग के अंतर्गत आरक्षक (सामान्य ड्यूटी)की भर्ती में होमगार्ड को 10, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। इसी तरह गृह विभाग अंतर्गत विशेष सशस्त्र बल में होमगार्ड को 10, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों 20 प्रतिशत, जेल विभाग अंतर्गत जेल प्रहरी में होमगार्ड को 15, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20, वन विभाग अंतर्गत वन रक्षक में होमगार्ड को 15, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत तथा वाणिज्यिक कर विभाग अंतर्गत आबकारी आरक्षक में होमगार्ड को 10, भूतपूर्व सैनिक को 5 और अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण (हॉरिजेन्टल) दिये जाने का निर्णय लिया गया है।

हिन्दी संप्रेषण और सृजनात्मक लेखन कौशल पाठ्यक्रम से मिलेगा विद्यार्थियों को रोजगार- प्रो.मीनू गिड़वानी

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन शासकीय महाविद्यालय में हिन्दी संप्रेषण और सृजनात्मक लेखन-कौशल विषय पर 34 घंटे का ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कोर्स संपन्न हुआ। उक्त आयोजन में संयोजक डॉ.बी.एल.मालवीय ने पाठ्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी तथा पाठ्यक्रम की उपयोगिता बताते हुए कहा कि इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी की किसी भी विधा में अपने के विचार व्यक्त कर सकते हैं। इस दौरान प्रो. गिडवानी ने कहा कि कक्षा-पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विद्यार्थियों को अन्य कौशल भी आना चाहिए, साथ ही यह भी कहा कि उक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से आप अपना स्वरोजगार भी चला सकते हैं। इस अवसर पर डॉ.आर.सी.चौहान ने भी कहा कि यह पाठ्यक्रम आपके भविष्य के लिए बहुत ही उपयोगी सिद्ध होगा। आयोजन में डॉ.तोफान लाल चौहान ने भी विषय से संबंधित विचार रखे। इस आयोजन में महाविद्यालय की डॉ.श्वेता चौहान, मुकेश सोलंकी, पूजा राठौर सहित महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी बडी संख्या में उपस्थित रहे। संचालन डॉ.संजय राठौर ने किया, आभार प्रो.प्रतिका परमार ने माना। विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी दिए गए।

अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस पर 30 सितंबर को संगीत संध्या, 1 अक्टूबर को वरिष्ठो का सम्मान व स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठ नागरिक संस्था देवास द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस दो दिवसीय आयोजन के साथ मनाया जाएगा। संस्था अध्यक्ष ओपी पाराशर एवं पेंशनर संघ अध्यक्ष गंगा सिंह सोलंकी ने बताया कि आयोजन के तहत 30 सितंबर को पूर्व संध्या पर तथा 1 अक्टूबर को वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पूर्व संध्या पर 30 सितंबर को शाम 5 बजे मल्हार स्मृति स्थित वरिष्ठ नागरिक संस्था सभागृह में संगीत संध्या आयोजित होगी। इसमें स्थानीय कलाकारों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक एवं संगीत प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर 1 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक वरिष्ठ नागरिक दिवस समारोह आयोजित होगा। इस दौरान 80 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके वरिष्ठजनों का सम्मान किया जाएगा। साथ ही प्रातः 9¬30 बजे से निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित होगा। शिविर में अमलतास हॉस्पिटल देवास के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा वरिष्ठजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। इसमें हड्डी रोग, नेत्र रोग, हृदय रोग, ईएनटी रोग, मेडिसिन एवं सर्जरी तथा जनरल फिजिशियन विशेषज्ञों द्वारा जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श दिया जाएगा। संस्था पदाधिकारियों ने संस्था के सभी सदस्यों एवं पेंशनर्स सहित वरिष्ठ नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का लाभ लेने तथा दोनों कार्यक्रमों में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

बेटियों के जन्म पर उत्सव और माताओं का सम्मान, आंगन मिलन सेवा के समापन पर आंगनवाड़ियों में लगे स्वास्थ्य शिविर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेटियों के जन्म को प्रोत्साहित करने और जच्चा-बच्चा को बेहतर स्वास्थ्य व पोषण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को शहर के आंगनवाड़ी केंद्रों पर अलग ही उत्साह देखने को मिला। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत 27 से 29 सितम्बर तक चलाए गए तीन दिवसीय विशेष आयोजन आंगन मिलन सेवा के अंतिम दिन हितग्राही माताओं एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया और स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर परामर्श दिया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की उप संचालक नीलम चौहान के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 10/3, 6/1, 6/2, 7/2 एवं 8/2 पर आयोजित हुआ। आयोजन के दौरान समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हुए नवजात एवं द्वितीय प्रसव पर बालिका को जन्म देने वाली दो बेटियों की माताओं, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की लाभार्थी महिलाओं और लाड़ली लक्ष्मी योजना से जुड़ी माताओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मैदानी स्तर पर सेवाएं दे रहीं एएनएम का भी सम्मान किया गया तथा महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तसलीम, अफसाना, शाइस्ता, रेहाना और यासमीन खान ने बताया कि अभियान के अंतिम दिन की मुख्य गतिविधि के रूप में केंद्रों पर बच्चों, किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर व परामर्श सत्र लगाया गया। इसमें सभी के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें घर में पकायेंगे, घर का खायेंगे के संदेश के साथ घरेलू व पौष्टिक आहार अपनाने की समझाइश दी गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में वार्ड की महिलाएं मौजूद थीं।

पितृ कल्याण एवं पितृदोष निवारण के लिए 1 अक्टूबर से श्रीमद् भागवत महापुराण कथा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पितृ पक्ष के पावन अवसर पर पितरों के कल्याण एवं पितृदोष निवारण के उद्देश्य से देवास में सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। आचार्य श्री राधेश्यामजी उदेनियाजी (ज्योतिषाचार्य) ने बताया कि कथा का आयोजन 1 अक्टूबर गुरुवार से 7 अक्टूबर 2026 बुधवार तक किया जाएगा। कथा का वाचन प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक गीता भवन, देवास में होगा। आयोजन का शुभारंभ 1 अक्टूबर को सुबह 9 बजे कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। कलश यात्रा रविशंकर शुक्ल नगर कॉलोनी, स्टेशन रोड से प्रारंभ होकर कथा स्थल गीता भवन पहुंचेगी। आयोजन के अंतिम दिवस 7 अक्टूबर को हवन एवं पूर्णाहुति का कार्यक्रम होगा। कथा के संबंध में आचार्य ने बताया कि पद्मपुराण में भागवत कथा को प्रेत पीड़ा एवं पितृदोष निवारण में महत्वपूर्ण बताया गया है। इसी उद्देश्य से श्रद्धालुओं को कथा श्रवण एवं धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागी बनने का आह्वान किया गया है। आयोजन में मूलपाठ, पितृ तर्पण, व्यास पूजन एवं देव पूजन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यों के लिए यजमान बनने का अवसर भी रहेगा। श्रद्धालु एक दिवसीय अथवा सप्तदिवसीय यजमान बनकर इस पुनीत आयोजन में सहभागी हो सकते हैं। आयोजन समिति की ओर से सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने का आग्रह किया गया है।

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा छोटा पुत्र सावन सोनी विगत 2 वर्ष पूर्व से अपनी स्वेच्छा से हमारे परिवार से पृथक निवास कर रहा है व दिनांक 21/06/2022 को घर छोडकर जाने के बाद वह अपने घर कभी नही आया व बाहर उसके कामकाज, लेनदेन की कोई जानकारी हमे नही होने से तथा मेरे पुत्र मेरे कहने, नियंत्रण में नही होने के कारण मेने अपने परिवार सहित सावन सोनी को अपनी सभी चल अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है मेरे एंव मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से उसका किसी प्रकार का आर्थिक, सामाजिक, व्यावयायिक अथवा भविष्य में किए गए किसी भी प्रकार के लेन-देन, ऋण, उधारी, गारंटी, अनुबंध, वाद विवाद, न्यायिक अथवा अन्य किसी भी कार्यवाही के लिए वे स्वय जवाबदार, उत्तरदायी होगा। यदि कोई व्यक्ति, संस्था, बैंक, अथवा अन्य कोई पक्ष इनके साथ किसी प्रकार का व्यवहार करता है तो वह स्वय के जोखिम एंव जवाबदारी पर करेगा। उनके किसी भी कार्य व्यवहार, लेन-देन वाद-विवाद के लिए मेरे या मेरे परिवार के किसी सदस्य को कोई जवाबदारी, उत्तरदायित्व नहीं रहेगा। सो विदित हो।

किरण सोनी पति सत्यनारायण सोनी
निवासी टी-13 नागेश्वरधाम कॉलोनी,
बड़नगर, जिला उज्जैन म.प्र.।

सोयाबीन काटने जा रहे बाइक सवार दो युवक कार की टक्कर से घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। समीपस्थ ग्राम आक्या चौहानी रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक पर सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए शाजापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चेतन और रोहित बाइक पर सवार होकर मंगलवार को खेत में सोयाबीन की फसल काटने जा रहे थे। इसी दौरान आक्या चौहानी गांव के रोड पर पीछे से आ रही एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। हादसे में दोनों के सिर में गंभीर चोटें आईं और नाक से खून बहने लगा। घटना की सूचना मिलते ही अकोदिया की 108 एंबुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची।

पेंच टाइगर रिजर्व में प्रकृति का पाठ पढ़ेंगे शाजापुर के होनहार, तीन दिवसीय भ्रमण का मिलेगा अवसर

राज्य स्तरीय मोगली उत्सव में जिले की कमान संभालेंगे शिवम और निकिता

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। किताबों में जंगल और पर्यावरण के किस्से पढ़ने वाले जिले के दो होनहार विद्यार्थी अब मोगली लैंड यानी पेंच राष्ट्रीय उद्यान को करीब से जानेंगे। मोगली उत्सव के तहत आयोजित जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी बौद्धिक क्षमता का लोहा मनवाते हुए सांदीपनि विद्यालय, शाजापुर के छात्र शिवम प्रजापति ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। जिला स्तरीय मुकाबले में कनिष्ठ वर्ग से शाजापुर विकासखंड के दो विद्यार्थियों ने बाजी मारी है। इनमें सांदीपनि विद्यालय के कक्षा छठी के छात्र शिवम प्रजापति और माध्यमिक विद्यालय कांजा की छात्रा निकिता कुशवाह शामिल हैं। प्रतियोगिता में अव्वल आने पर अब इन दोनों विद्यार्थियों को पेंच राष्ट्रीय उद्यान के तीन दिवसीय निःशुल्क शैक्षणिक भ्रमण पर जाने का अवसर मिलेगा। वहां आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय मोगली उत्सव में ये दोनों छात्र शाजापुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इनका रहा विशेष योगदान- प्रतियोगिता के लिए शिवम प्रजापति को तैयार करने में मार्गदर्शक शिक्षक दिलीप जायसवाल की अहम भूमिका रही। वहीं, जिला स्तरीय स्पर्धा के सफल संचालन में मास्टर ट्रेनर डॉ. माखनलाल धानुक और क्विज मास्टर संजय सोनी ने मुख्य जिम्मेदारी निभाई। छोटे से उम्र में छात्र के राज्य स्तर पर चयनित होने से सांदीपनि विद्यालय में खासा उत्साह है। प्राचार्य दिनेश चंद्र सोनी, उप प्राचार्य सविता सोनी, माध्यमिक विंग प्रभारी अनुराधा सक्सेना और शेफाली जोशी सहित पूरे स्कूल स्टाफ ने छात्र का उत्साहवर्धन करते हुए राज्य स्तरीय स्पर्धा में भी जिले का नाम रोशन करने की उम्मीद जताई है।

कार्यालय उज्जैन नगर पालिक निगम, उज्जैन

छत्रपति शिवाजी भवन आगर रोड़ उज्जैन

(online) निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञप्ति क्र :- शि.वि./2026/185 — उज्जैन दिनांक :- 23/09/26

निर्माण कार्य हेतु प्रपत्र 'अ' (फॉर्म ए) में प्रतिशत कम या अधिक के आधार पर प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग म.प्र. शासन भोपाल के कार्यालय में पंजीकृत ठेकेदारों से उक्त विधान में पंजीयन प्रमाण पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करने पर ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है, तथा ठेकेदार की (श्रेणी ए) एम.पी.वर्क्स व नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. भोपाल UADD SSR SOR 02-08-2021 के आधार पर निर्धारित क्र. 1 से 4 का टेंडर फार्म मूल्य शुल्क 2000/- रुपये एवं सिक्योरिटी क्र. 5 से 6 का टेंडर फार्म मूल्य 5000/- रुपये रहेगा।

निविदा क्र. 1 से 6 की ऑनलाइन क्रय करने की अंतिम दिनांक 22.10.2026 समय 17:30, ऑनलाइन ई.एम.डी. राशि एवं समस्त दस्तावेज Submission करने की अंतिम दिनांक 22.10.2026 समय 17:30 रहेगी एवं उक्त निविदाएं दिनांक 23.10.2026 को खोली जावेंगी।

विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। यदि उपरोक्त निविदा में किसी कारण का संशोधन होता है तो इसकी सूचना ऑनलाइन दी जावेगी। सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं की जावेगी।

क्र.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अर्नेस्टमनी रू.	समय अवधि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_537601_1	वार्ड क्र. 02 अंतर्गत ओखलेश्वर श्मशान घाट पर बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य।	1268721/-	9520/-	90 दिन
2	2026 UAD 537667 1	वार्ड क्र. 02 अंतर्गत ओखलेश्वर श्मशान घाट पर गेट निर्माण कार्य।	1718799/-	12900/-	90 दिन
3	2026 UAD 537708 1	वार्ड क्र. 08 अंतर्गत विजयनगर थाने के सामने संत लीला शाह कॉलोनी में सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य।	1426986/-	10705/-	90 दिन
4	2026_UAD_537590_1	वार्ड क्र. 13 अंतर्गत कामदरपुरा घाटी शफी कुरैशी जी के भवन से जांसापुरा चौराहा तक सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली चेंम्बर निर्माण कार्य कराये जाने बाबत।	1892081/-	14200/-	90 दिन
5	2026_UAD_537578_1	वार्ड क्र. 09 अंतर्गत सेवा बस्ती में आर.सी.सी. नाला एवं सीसी रोड निर्माण कार्य	2257794/-	16935/-	90 दिन
6	2026 UAD 538309 1	वार्ड क्र. 12 अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर सीमेंट कांक्रीट रोड निर्माण कार्य	2117375/-	15890/-	60 दिन

कार्यपालन यंत्री (जोन क्र. 1)
नगर पालिक निगम उज्जैन
दिनांक : 23/09/26

पिटगारा तिराहे पर स्पीड ब्रेकर निर्माण की मांग

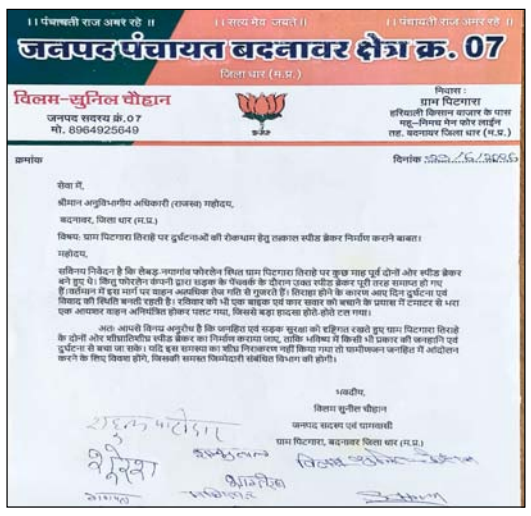
।। पंचायती राज अमर रहे ।। ।। सत्य मेव जयते ।। ।। पंचायती राज अमर रहे ।।

जनपद पंचायत बदनावर क्षेत्र क्र. 07
जिला धार (म.प्र.)

विलम-सुनिल चौहान
जनपद सदस्य क्र.07
मो. 8964925649

निवास :
ग्राम पिटगारा
हरियाली किसान बाजार के पास
मह-निमच मेन फोर लाईन
तह. बदनावर जिला धार (म.प्र.)

ग्रामांक दिनांक

सेवा में,
श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) महोदय,
बदनावर, जिला धार (म.प्र.)

विषय: ग्राम पिटगारा तिराहे पर दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु तत्काल स्पीड ब्रेकर निर्माण कराने बाबत।

महोदय,

सविनय निवेदन है कि लेबड़-नयागांव फोरलेन स्थित ग्राम पिटगारा तिराहे पर कुछ माह पूर्व दोनों ओर स्पीड ब्रेकर बने हुए थे। किंतु फोरलेन कंपनी द्वारा सड़क के पैचवर्क के दौरान उक्त स्पीड ब्रेकर पूरी तरह समाप्त हो गए हैं। वर्तमान में इस मार्ग पर वाहन अत्यधिक तेज गति से गुजरते हैं। तिराहा होने के कारण आए दिन दुर्घटना एवं विवाद की स्थिति बनती रहती है। रविवार को भी एक बाइक एवं कार सवार को बचाने के प्रयास में टमाटर से भरा एक आयशर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया।

अतः आपसे विनम्र अनुरोध है कि जनहित एवं सड़क सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम पिटगारा तिराहे के दोनों ओर शीघ्रातिशीघ्र स्पीड ब्रेकर का निर्माण कराया जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की जनहानि एवं दुर्घटना से बचा जा सके। यदि इस समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो ग्रामीणजन जनहित में आंदोलन करने के लिए विवश होंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।

भवदीय,
विलम सुनील चौहान
जनपद सदस्य एवं ग्रामवासी
ग्राम पिटगारा, बदनावर जिला धार (म.प्र.)

फोरलेन पर हादसों से ग्रामीणों में रोष, SDM को ज्ञापन देकर आंदोलन की दी चेतावनी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लेबड़-नयागांव फोरलेन स्थित ग्राम पिटगारा तिराहे पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने और गति अवरोधक (स्पीड ब्रेकर) के तत्काल निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया है। जनपद पंचायत बदनावर क्षेत्र क्रमांक 07 के जनपद सदस्य विलम-सुनील चौहान के नेतृत्व में ग्रामवासियों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बदनावर को ज्ञापन सौंपकर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की।

ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि कुछ माह पूर्व तक पिटगारा तिराहे के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर बने हुए थे। हालांकि, फोरलेन कंपनी द्वारा सड़क मरम्मत एवं पैचवर्क के दौरान इन स्पीड ब्रेकरों को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया। स्पीड ब्रेकर हटने के बाद से इस मार्ग पर वाहन अत्यधिक तेज गति से गुजर रहे हैं। मुख्य तिराहा होने के कारण यहां आए दिन दुर्घटनाएं और विवाद की स्थिति निर्मित हो रही है।

ग्रामीणों ने हाल ही में घटित दुर्घटना का हवाला देते हुए बताया कि रविवार को भी एक बाइक और कार सवार को बचाने के चक्कर में टमाटरों से भरा एक आयशर वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया था। गनीमत रही कि इस घटना में कोई बड़ा हादसा होने से टल गया, लेकिन यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो कभी भी गंभीर जनहानि हो सकती है।

जनपद सदस्य एवं ग्रामीणों ने मांग की है कि सड़क सुरक्षा एवं जनहित को प्राथमिकता देते हुए पिटगारा तिराहे के दोनों ओर शीघ्र अति शीघ्र मानक अनुसार स्पीड ब्रेकर बनाए जाएं। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया, तो ग्रामीणजन जनहित में आंदोलन करने के लिए विवश होंगे, जिसकी संपूर्ण जवाबदेही संबंधित विभाग की होगी।

ज्ञापन सौंपते समय जनपद सदस्य विलम-सुनील चौहान, राहुल पाटीदार, शंभूलाल, सुरेश, भागीरथ, मणीलाल, सुरेंद्र सिंह, राजू पाटीदार, प्रदीप पंवार, नकुल पंवार, गणपत चौहान, गणपत सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद रहे।

वार्ड क्रमांक 20 में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड। खाचरोद मे वार्ड क्रमांक 20 में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन कार्यक्रम आंगनवाड़ी केंद्र वार्ड क्रमांक 20,21/1,21/2 के द्वारा किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती सपना गौतमी एवं पूर्व पार्षद श्रीमती हेमलता निवाल को आमंत्रित किया गया तथा साथ ही आंगनबाड़ी क्षेत्र की हित ग्राही महिलाओं माता को आमंत्रित किया गया कार्यक्रम में आंगनबाड़ी की 6 सेवाओं एवं चार योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई साथ ही मुख्य अतिथि सपनाजी गौतमी में हेमलता निवालएवं लाडली बहना विनीता गांधी ने अपनी सफलता की कहानी एवं शासन की योजनाओं की तारीफ करते हुए अपने सफलता की कहानी सुनाई। कार्यक्रम के अंत में सभी हितग्राही एवं अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए फल और मिठाई का वितरण किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आंगन मिलन सेवा का शुभारंभ नागदा शहर के 102 आंगनवाड़ी केंद्रों पर प्रथम दिवस की गतिविधियां आयोजित

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला कार्यक्रम अधिकारी बृजेश त्रिपाठी के निर्देशन और परियोजना अधिकारी मुकेश वर्मा के मार्गदर्शन में आंगन मिलन सेवा के प्रथम चरण के प्रथम दिवस गतिविधियों का शुभारंभ नागदा शहर के 102 आंगनवाड़ी केंद्रों पर किया गया कार्यक्रम के तहत माननीय विधायक जी एवं नगर पालिका अध्यक्ष महोदय द्वारा वार्ड क्रमांक 56 ब्लॉक आंगनवाड़ी केंद्र पर पहुंचकर हितग्राहियों से चर्चा की गई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का शॉल,श्रीफल एवं पुष्पहार से स्वागत कर सम्मान किया गया। इसी प्रकार नगर के सभी वार्डों में जनप्रतिनिधियों द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की सेवाओं का सम्मान किया गया। सभी केंद्रों पर माननीय अतिथियों द्वारा पौधरोपण भी किया गया प्रथम दिवस की मुख्य गतिविधि के तहत वार्ड 35 के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 87 मेहतवास पर स्वास्थ्य विभाग के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजीव कुमरावत जी की उपस्थिति में 5 सदस्यीय दल द्वारा हितग्राहियों की स्वास्थ्य जांच की गई द्वितीय दिवस की गतिविधि में मातृ स्वास्थ्य पोषण संवाद एवं हितग्राहियों को पोषण परामर्श दिया जाएगा तृतीय दिवस सफलता की कहानी,लाभार्थियों के अनुभव साझाकरण एवं संवाद का आयोजन किया जाएगा तीन दिवस के सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी प्रेषक मुकेश वर्मा परियोजना अधिकारी महिला बाल विकास विभाग नागदा।

किसान पुत्र सचिन पाटीदार का ऐतिहासिक संकल्प

बदनावर को सूखाग्रस्त घोषित कराने 2 अक्टूबर को निकालेंगे बिना अन्न-जल की अधिकार पदयात्रा

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर विधानसभा क्षेत्र में अल्प वर्षा के चलते उपजे गंभीर जल संकट और फसलों की बर्बादी को लेकर किसान पुत्र सचिन वासुदेव पाटीदार ने शासन-प्रशासन के खिलाफ बड़े आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। क्षेत्र को आधिकारिक रूप से सूखाग्रस्त घोषित करवाने और किसानों को न्याय दिलाने के लिए सचिन पाटीदार के नेतृत्व में आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती को ऐतिहासिक बदनावर सूखाग्रस्त अधिकार पदयात्रा निकाली जाएगी।

इस पूरी पदयात्रा का सबसे प्रमुख केंद्र बिंदु किसान पुत्र सचिन वासुदेव पाटीदार का अभूतपूर्व संकल्प है। गांधी जयंती पर वे पूर्णतः अन्न और जल का त्याग (सत्याग्रह) करके इस पैदल मार्च का नेतृत्व करेंगे। सचिन पाटीदार ने कहा, यह त्याग इसलिए है ताकि पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसते किसान की पीड़ा को मैं स्वयं भी महसूस कर सकूं और नींद में सोए शासन-प्रशासन को यह अहसास करा सकूं कि जल के बिना किसान और आम नागरिक का जीवन कितना दूभर हो चुका है। सचिन पाटीदार के नेतृत्व में यह यात्रा 2 अक्टूबर बुधवार को प्रातः 9ः00 बजे ग्राम कोद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रारंभ होगी। मुख्य मार्ग से होते हुए सैकड़ों किसानों का यह जत्था बदनावर स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंचेगा, जहां प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं से अवगत कराया जाएगा।

सचिन पाटीदार द्वारा तय किए गए यात्रा के दो मुख्य लक्ष्य है पहला कम बारिश से प्रभावित बदनावर को तत्काल सूखाग्रस्त घोषित कर किसानों को फसल क्षतिपूर्ति, फसल बीमा का लाभ और कर्ज वसूली में राहत दिलाना। दूसरा आने वाले भयंकर जल संकट से निपटने के लिए गांव-गांव में किसानों व आमजन को जल संरक्षण के लिए एकजुट करना। किसान नेता सचिन पाटीदार ने क्षेत्र के सभी किसान भाइयों से आह्वान किया है कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस अहिंसक और शांतिपूर्ण सत्याग्रह में शामिल हों। उन्होंने अपील की है कि जो किसान पूरी दूरी पैदल न चल सकें, वे यात्रा के मार्ग में पड़ने वाले गांवों में या सीधे बदनावर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर पदयात्रियों का उत्साहवर्धन करें और इस लड़ाई को मजबूती प्रदान करें।

स्वर्गीय पत्रकार मोहनलाल केवट के परिवारजनों से मिले मंत्री परमार

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री इंदर सिंह परमार क्षेत्र के दौरे के दौरान अकोदिया नगर के सुंदरसी बस स्टैंड पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय वरिष्ठ पत्रकार मोहनलाल केवट के प्रतिष्ठान पर पहुंचकर उनके परिवारजनों एवं पत्रकार प्रकाश केवट सहित अन्य लोगों से मुलाकात की। मंत्री परमार ने होटल पर बने कचौरी और भज्जे का स्वाद भी चखा। भज्जे खाते हुए उन्होंने कहा कि छोटी सी दुकान में इतने अच्छे और स्वादिष्ट पकवान बनते हैं, यह आज मालूम पड़ा। इस दौरान उनके साथ मौजूद भाजपा नेता एवं कार्यकर्ताओं ने भी भज्जों का आनंद लिया। क्षेत्रवासियों के अनुसार मंत्री इंदर सिंह परमार अपने सहज और सादगीपूर्ण व्यवहार के लिए पहचाने जाते हैं। क्षेत्र में किसी भी आयोजन के दौरान आम लोगों के बीच बैठना, स्थानीय दुकानों पर पहुंचना और वहां बने पकवानों का स्वाद लेना उनके सहज व्यवहार का हिस्सा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि मंत्री परमार आम लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने का प्रयास करते हैं। उनके इस सहज व्यवहार को लेकर स्थानीय लोगों में चर्चा रही कि जनप्रतिनिधि का आम जनता के बीच सहज रूप से पहुंचना लोगों से जुड़ाव को मजबूत करता है।

संदेश वाचन,खेल गतिविधियों के साथ मनाया आंगन मिलन उत्सव

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन मंगलवार को वार्ड क्रमांक 10 में किया गया कार्यक्रम में पूर्व पार्षद राजेंद्र गुर्जर ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया इस दौरान गर्भवती एवं धात्री माताओं किशोरी बालिकाओं तथा 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों के अभिभावकों को शासन की योजनाओं एवं अभियान की जानकारी दी गई बच्चों के लिए गीत कविता,कहानी एवं खेल-कूद जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं कार्यक्रम में पर्यवेक्षक टीना बैरागी,मिशन नीव जिला समन्वयक लोकेन्द्रसिंह तंवर,आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरोज पोरवाल तारा गुर्जर,रचना जटिया, उर्वशी राठौर तथा सहायिका उषा देवड़ा,शांति माली, तारा पवार एवं आशा सेन सहित हितग्राही उपस्थित रहे।

देवपुरी गोस्वामी को बनाया उज्जैन संभाग उपाध्यक्ष

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। दशनामी दत्त सेना राष्ट्रीय संगठन का प्रदेश एवं जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन 27 सितंबर रविवार को गोस्वामी पैलेस पिपलोदा मैं संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महंत नरेंद्र गिरी महाराज के सानिध्य एवं दशनामी दत्त सेना राष्ट्रीय संगठन के संस्थापक ईश्वर गिरी नागावाडी द्वारा संभाग, जिला, व तहसील के 52 पदाधिकारीयो की नव नियुक्तियां कर प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया,, इस दौरान देवपुरी गोस्वामी बड़नगर को उज्जैन संभाग उपाध्यक्ष नियुक्त कर साल ओढाकर प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया । नियुक्ति पर महंत जितेंद्र भारती, महंत मंगल भारती, किशोर गिरी, भेरू गिरी बड़नगर ने बधाई दी। जानकारी देवपुरी बड़नगर ने दी।

बदनावर में नागरिक सुविधाओं का विस्तारः 56 विकास कार्यों की निविदाओं और देयकों पर चर्चा पूरी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के विकास एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े विभिन्न कार्यों को लेकर मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय में नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहर के अलग-अलग वार्डों में प्रस्तावित विकास कार्यों से संबंधित 56 प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। इनमें आंगनवाड़ी भवन, सड़क एवं शेड निर्माण, पेवर ब्लॉक, भूमिगत ड्रेनेज, जल प्रदाय, प्रधानमंत्री आवास योजना और अमृत 2.0 सहित विभिन्न कार्य शामिल रहे। बैठक में, सीएमओ विकास डावर, लोक निर्माण सभापति अनीता दीपक जादव, सदस्य भारती राठौड़, झन्नूबाई शांतिलाल, सुखराम देवदा समेत संबंधित अधिकारी जगदीश महावी आदि मौजूद थे। बैठक में विभिन्न विकास कार्यों की निविदाओं में प्राप्त न्यूनतम दरों की स्वीकृति, निर्माण कार्यों तथा योजनाओं से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की गई।

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना 1.0 के हितग्राहियों को राशि आवंटित करने के लिए शासन से ऋण लिए जाने की स्वीकृति तथा प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की सूची के अनुमोदन से संबंधित प्रस्ताव पर विचार किया गया। वहीं अमृत 2.0 योजना के तहत वाटर बॉडी निर्माण एवं जल प्रदाय योजना से जुड़े प्रस्ताव भी चर्चा में रहे। देव नारायण परिसर में शेड निर्माण के लिए पुनः निविदा आमंत्रित करने तथा विभिन्न योजनाओं और विकास कार्यों के अंतिम देयकों से संबंधित विषयों पर भी चर्चा हुई। कार्यसूची में वार्ड क्रमांक 7 के अरुणोदय आश्रम क्षेत्र, वार्ड 8 के विष्णुधाम क्षेत्र, वार्ड 3 के राम धाम क्षेत्र और वार्ड 4 के महाकाल क्षेत्र में शेड निर्माण से जुड़े प्रस्ताव शामिल रहे। वार्ड 15 स्थित फिल्टर प्लांट परिसर और वार्ड 12 के लोकशाह मांगलिक परिसर में शेड निर्माण, वार्ड 2 इन्द्रप्रस्थ उद्यान में पेवर ब्लॉक एवं शेड निर्माण तथा वार्ड 10 में जयसवाल समाज के लिए सत्यनारायण धाम परिसर में शेड निर्माण के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई।

वार्ड 2 भट्ट कॉलोनी क्षेत्र में भूमिगत ड्रेनेज, वार्ड 15 जेल रोड पर कांक्रीट कार्य तथा वार्ड 10 कचहरी चौक में 80 फीट बाउंड्रीवाल निर्माण से संबंधित प्रस्ताव भी बैठक में रखे गए। वार्ड 14 स्थित मेखालेश्वर परिसर में पेवर ब्लॉक, तार फेंसिंग एवं खुला चबूतरा निर्माण तथा इसी परिसर में अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की अनुशंसा पर अंबेडकर भवन निर्माण की स्वीकृति से संबंधित प्रस्ताव पर विचार हुआ।

वार्ड 15 कालामाटा मार्ग स्थित प्राथमिक-माध्यमिक विद्यालय परिसर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण तथा वार्ड 12 में आंगनवाड़ी भवन निर्माण के प्रस्ताव भी बैठक में चर्चा के विषय रहे।

वार्ड 13 में गोपाल जाट के मकान से शिव मंदिर तक पेवर ब्लॉक निर्माण, वार्ड 2 बड़ी चौपाटी पर लाल धोलपुरी पत्थर से सौंदर्यीकरण तथा विभिन्न वार्डों में नलकूप खनन के प्रस्ताव शामिल रहे। वार्ड 7 पीलियाखाल में पुराने फिल्टर प्लांट/कुएं के जीर्णोद्धार और वार्ड 9 कचहरी चौक के समीप सब्जी मंडी निर्माण के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। नवरात्रि महापर्व के दौरान एकवीरा माता मंदिर में मेला लगाने, वार्ड 13 दुर्गा धाम सत्संग हॉल में शेड निर्माण, वार्ड 11 रावतसेरी घाटी स्थित घाटी जुझार बावजी मंदिर में टिन शेड तथा वार्ड 7 में मुंडन संस्कार के लिए शेड निर्माण के प्रस्तावों पर भी विचार किया गया। इसके अलावा वार्ड 7 डेलची रोड नंदनीनगर में ड्रेनेज निर्माण, वार्ड 13 के विभिन्न क्षेत्रों में भूमिगत ड्रेनेज तथा वार्ड 9 में प्रेस क्लब भवन से संबंधित कार्यों पर चर्चा हुई। वार्ड 12 में महिलाओं के लिए ओपन जिम के जीर्णोद्धार, वार्ड 7 मुक्तिधाम में शोकसभा के लिए शेड निर्माण सहित नागरिक सुविधाओं से जुड़े अन्य प्रस्तावों पर भी विचार-विमर्श हुआ। बैठक में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम, तिरंगा यात्रा, शाही शंकर सवारी एवं नगर गौरव दिवस पर हुए व्यय से संबंधित प्रस्ताव भी रखे गए। वहीं शासन के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान एवं जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों और शिविरों पर होने वाले व्यय से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। कर्मचारियों के अर्जित अवकाश सहित अन्य प्रशासनिक विषय भी बैठक में शामिल रहे। नगर के वार्ड पांच, छह, सात, तेरह, चौदह व पंद्रह में आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य के लिए निविदा मे प्राप्त न्यूनतम दर स्वीकृति पर भी विचार विमर्श किया गया। बैठक में रखे गए प्रस्तावों पर चर्चा के बाद शहर के विभिन्न वार्डों में विकास एवं नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को लेकर आगे की प्रक्रिया तय की गई।

जगन्नाथ पुरी यात्रा पर रवाना हुआ प्रभात फेरी भक्त मंडल का विशाल जत्था

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। भगवान श्री जगन्नाथ जी के दर्शन एवं धार्मिक यात्रा के लिए प्रभात फेरी भक्त मंडल, बड़नगर के करीब 150 श्रद्धालुओं का विशाल दल मंगलवार को बड़नगर से जगन्नाथ पुरी के लिए रवाना हुआ। यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं में अपार उत्साह और भक्ति का वातावरण दिखाई दिया।

यात्रा पर प्रस्थान से पूर्व नगर की विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा प्रभात फेरी भक्त मंडल के सदस्यों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। स्वागत के दौरान श्रद्धालुओं को फूलों की माला, दुपट्टा एवं मोतियों की माला पहनाकर उनकी मंगलमय और सफल धार्मिक यात्रा की कामना की गई।

स्वागत करने वालों में श्री हिन्दू पंचान समिति के अध्यक्ष श्री प्रेमचंद द्वितीय, श्री राधेश्याम गहलोत, श्री रामनिवास नवहाल, श्री दशरथ सिंह पंड्या सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं संस्था सदस्य उपस्थित रहे।

प्रभात फेरी भक्त मंडल की जगन्नाथ पुरी यात्रा में प्रमुख रूप से श्री सावरिया शर्मा, श्री गोरधन गुरुजी,श्री सुरेश भावसार, अभय सोनी, राकेश शर्मा शांतिकुंज, विराग मिश्रा, संदेश निंबोला, सतीश शर्मा अभिनव शाह,सुकमाल सोनी,नटवर शर्मा,अरविंद व्यास,दीपक भावसार ,पंकज भावसार,सहित बड़ी संख्या में भक्तगण शामिल हैं।

इस अवसर पर पूरा वातावरण जय जगन्नाथ के जयघोष से गूंज उठा। नगरवासियों एवं विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों ने यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए भगवान श्री जगन्नाथ जी से सभी श्रद्धालुओं की यात्रा सुखद, सुरक्षित एवं पुण्यदायी होने की प्रार्थना की।

प्रभात फेरी भक्त मंडल के लगभग 150 सदस्यों के एक साथ धार्मिक यात्रा पर रवाना होने को लेकर नगर में विशेष उत्साह देखा गया। श्रद्धालुओं के परिजनों और शुभचिंतकों ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर उन्हें विदाई दी।

S.D.M. को जनसुनवाई में सफाई कर्मचारियों ने सुनाई अपनी गंभीर पारिवारिक समस्याएं

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद आलोट के सफाई कर्मचारी के बकाया तीन माह के वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों में आक्रोश फिर से बढ़ने लगा हे, सफाई कर्मचारी संगठन के नेता एवं कर्मचारी के द्वारा श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी आलोट को जनसुनवाई में ज्ञापन देकर स्छरूसाहब को बताया गया कि सफाई कर्मचारियों के तीन माह का वेतन बकाया चल रहा हे एवं कई वर्षों से सफाई व सुरक्षा सामग्री भी नहीं बांटी जा रही हे, ऐसे में कर्मचारि घुट घुट कर जी रहे हे अपने परिवार का भरण पोषण,स्कूल फीस,लोन की किश्त भी नहीं भर पा रहे है,ओर बाजार में कर्मचारियों को व्यापारियों द्वारा अब उधार राशन पानी भी नहीं दिया जा रहा हे,कई कर्मचारियों के माता पिता बुजुर्ग हे जिनका स्वास्थ लगातार खराब रहता हे वहीं एक कर्मचारी के दो बच्चों को थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमार हे जिनको हर 15 दिन में बल्ड चढ़ाने जिला हॉस्पिटल रतलाम जाना पड़ता हे, वेतन नहीं मिलने से वे माता पिता भी काफी परेशान होते हे।

वही परिषद द्वारा नगर में कई नए नए कार्य में रुपए खर्च किए जा रहे हे और कर्मचारियों की लगातार अनदेखी की जा रही हे जबकि परिषद द्वारा हड़ताल के दौरान 5 माह में समस्या हल करने का लिखित आश्वास दिया गया था लेकिन लगभग 1 वर्ष पूर्ण होने को हे और अभी तक एक भी मांग पूरी नहीं की गई।

सफाई कर्मचारी संगठन के संभाग महासचिव कमलेश उमरवाल ने बताया कि बिना वेतन, बिना झाड़ू व अन्य सामग्री के बिना कर्मचारी कैसे काम करेगा।

अगर समय पर वेतन व सामग्री देने में सुधार नहीं होता हे तो कर्मचारी काम करपाने में असमर्थ होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी नगर परिषद की होगी।

ज्ञापन में रतलाम जिला महामंत्री अनिल डुलगज,आलोट नगर महामंत्री सुनील उमरवाल उपाध्यक्ष पिंटू खरे,ताराचंद डुलगज,रितेश खरे,कुंदन डुलगज शरद खरे,पूनमचंद डुलगज,सोनू डुलगज उपस्थित थे।

शोर-शराबे से नहीं, सात्विकता से प्रसन्न होते हैं ईश्वर - महामंडलेश्वर स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरी

महामंडलेश्वर बनने के बाद 4 अक्टूबर को पहली बार बदनावर पधारेंगे स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरी

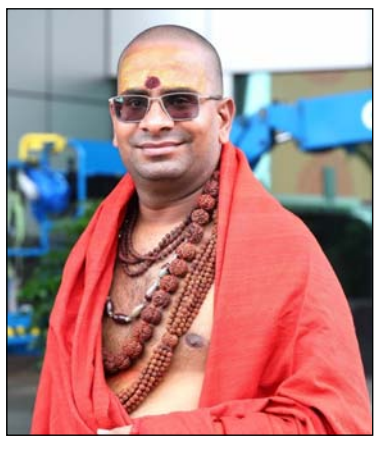

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निरंजनी अखाड़े के नव-नियुक्त महामंडलेश्वर स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरी महाराज ने मालवा हेराल्ड के संवाददाता से फोन पर हुई विशेष बातचीत में सनातन संस्कृति की रक्षा और वर्तमान सामाजिक परिवेश पर अपने विचार साझा किए। महामंडलेश्वर पद पर आसीन होने के बाद पूज्य महाराज श्री का आगामी 4 अक्टूबर रविवार को बदनावर में प्रथम नगर आगमन होने जा रहा है, जिसे लेकर धर्मप्रेमी जनता व विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संगठनों द्वारा भव्य स्वागत की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं।

विशेष बातचीत के दौरान महाराज श्री ने स्पष्ट कहा कि हर धर्म की अपनी पवित्रता, गरिमा और मर्यादा होती है, जो मनुष्य को अनुशासन, सादगी और आत्मिक शांति की ओर ले जाती है। परंतु दुर्भाग्यवश, वर्तमान समय में कई धार्मिक आयोजनों में सादगी और भक्ति की जगह फूहड़ता, कानफोडू शोर-शराबे और आडंबर ने ले ली है।

संतश्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी नई पीढ़ी तेज आवाज, कानफोडू संगीत और दिखावे को ही धर्म मानने लगी है। जिस आयोजन का मुख्य उद्देश्य प्रभु आराधना, सभ्यता और सांस्कृतिक मूल्यों का संवर्धन होना चाहिए, वहाँ से वास्तविक भक्ति और शांति गायब होती जा रही है। अत्यधिक तेज आवाज में डीजे और लाउडस्पीकर चलाने से बुजुर्गों, बीमारों और विद्यार्थियों को भारी असुविधा होती है। ईश्वर को प्रसन्न करने के लिए सात्विकता की आवश्यकता है, न कि शोर-शराबे की।

संस्कारों के जागरण पर जोर देते हुए पूज्य संतश्री ने कहा कि यदि हम चाहते हैं कि हमारे परिवारों में ध्रुव और प्रह्लाद जैसी तेजस्वी व धर्मनिष्ठ संतानें जन्म लें, तो उससे पहले माता-पिता को उसी स्तर के त्याग व मर्यादा का पालन करना होगा। माताओं को रानी लक्ष्मीबाई, माता सीता, सती अनसुइया और विदुषी गार्गी जैसी आदर्श जीवनशैली व संस्कारों को अपनाना पड़ेगा। वहीं पिताओं को भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण और स्वामी विवेकानंद के पदचिह्नों पर चलकर अपनी जीवनशैली मर्यादित बनानी होगी। जब माता-पिता स्वयं संस्कारवान बनेंगे, तभी संतानों में धर्म और संस्कृति के वास्तविक बीज अंकुरित होंगे।

बातचीत के दौरान स्वामी सत्यश्रेयानंद गिरी जी महाराज ने धार्मिक आयोजनों में बढ़ रहे दिखावे और अज्ञानतावश हो रहे देवी-देवताओं के अपमान पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आयोजनों के नाम पर टी-शर्टों या वस्त्रों पर भगवान कार्तिकेय, शिव या अन्य आराध्य देवी-देवताओं के चित्र छपवा दिए जाते हैं। बाद में उन्हीं वस्त्रों को धोया जाता है और मोगरी मारी जाती है, जिससे अनजाने में अपने ही आराध्यों का अपमान होता है। इसके अलावा प्रचार हेतु सड़कों, चौराहों और खंभों पर लगाए जाने वाले बड़े-बड़े पोस्टर व बैनर कार्यक्रम समाप्त होते ही नीचे गिरते हैं, पैरों तले कुचले जाते हैं तथा नालियों व कूड़े-करकट के ढेर में लावारिस मिलते हैं। अपने ही आराध्य देवों का यह प्रत्यक्ष अनादर हमारी सांस्कृतिक निष्ठा का पतन है।

संतश्री ने आह्वान किया कि धर्म और भक्ति प्रदर्शन की वस्तु नहीं, बल्कि अंतरात्मा की अनुभूति है। समय आ गया है कि समाज के प्रबुद्ध नागरिक, वरिष्ठजन और आयोजन समितियाँ इस विषय पर गंभीरता से विचार करें। आयोजनों को भव्य बनाने के साथ-साथ उनकी पवित्रता और मर्यादा बनाए रखना भी हमारी ही जिम्मेदारी है। हमें इन कुरीतियों और फूहड़ता पर रोक लगानी होगी, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी धर्म के वास्तविक और सात्विक मर्म को समझ सके।

अखिल भारतीय साहित्य परिषद का 'काव्यार्चन' एवं प्रांतीय सम्मेलन संपन्न

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अखिल भारतीय साहित्य परिषद, मालवा प्रांत द्वारा आयोजित प्रांतीय सम्मेलन एवं राष्ट्र साधना के सौ वर्ष विषय पर आधारित काव्यार्चन कार्यक्रम नारायण बाग स्थित ग्राहक सेवा प्रतिष्ठान में भव्य रूप से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस आयोजन में साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रचेतना को समर्पित विचारों, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कविताओं और वैचारिक गोष्ठी की गूंज रही।

कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताएं एवं प्रस्तुतियां-

मुख्य अतिथि एवं आमंत्रित कवि- अखिल भारतीय साहित्य परिषद के महामंत्री श्री पवनपुत्र बादल कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही दिल्ली से प्रवीण आर्य, लखनऊ से विख्यात मिश्रा और दास आरोही आनंद ने अपनी साहित्यिक प्रस्तुतियों से सम्मेलन में राष्ट्रप्रेम का स्वर गुंजायमान किया।

काव्यार्चन एवं सहभागिता- मालवा प्रांत के विभिन्न जिलों (इंदौर, महू, झाबुआ, सनावद, जावरा, खरगोन, रतलाम, धामनोद, कसरावद, बड़नगर, बुरहानपुर, मंदसौर, शाजापुर आदि) से आए 81 कवियों और 101 से अधिक साहित्यकारों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

बड़नगर के कवियों द्वारा काव्य पाठ-

अ. भा. सा. प. उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राठौड़ ने नारी शक्ति का वर्णन करते हुए ओजस्वी पंक्तियां पढ़ीं-

कमज़ोरी का नाम नहीं, नारी शक्ति की पहचान दिखाई देती है,

चूड़ियों से सजे कोमल हाथों में संस्कार, और तलवारों में शौर्य की धार दिखाई देती है।

अ. भा. सा. प. सचिव दीपक नागर ने वंदे मातरम के महत्व को रेखांकित करते हुए काव्य पंक्तियां प्रस्तुत कीं-

एकता-अखंडता का मार्ग वन्दे मातरम्!

जन-जन में जगाने वाला ज्ञान वन्दे मातरम!

अ. भा. सा. प. सदस्य सुरेश चौधरी ने संघ की विचारधारा कुटुंब प्रबोधन पर अपने विचार रखते हुए कहा कि परिवार अच्छा होगा तो समाज अच्छा होगा, समाज अच्छा होगा तो राष्ट्र अच्छा होगा। वसुधैव कुटुंबकम् ही हमारा ध्येय है।

वैचारिक मंथन- कार्यक्रम के दौरान आत्मबोध से विश्वबोध, संघ साहित्य पर समग्र चिंतन एवं वंदे मातरम - राष्ट्र भावना का अमर उद्घोष जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। इसके साथ ही पर्यावरण, समरसता, नागरिक अनुशासन और पथ संचलन आदि विषयों पर रचनाएं प्रस्तुत की गईं।

वरिष्ठ साहित्यकारों ने दी बधाई- कार्यक्रम स्थल पर उपस्थिति के दौरान प्रमोद जी पांचोली, सरिता यादव, काज़ी शमशाद ज़खमी, नंदकिशोर अग्निहोत्री एवं शैलेंद्र सिंह जी गोसर ने कवियों एवं पदाधिकारियों को बधाई देकर उनका उत्साहवर्धन एवं प्रोत्साहन किया।

कार्यक्रम के अंत में मालवा प्रांत अध्यक्ष त्रिपुरारी लाल शर्मा ने सभी आमंत्रित कवियों, वरिष्ठ साहित्यकारों और आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और आयोजन की सफलता पर बधाई दी।

संभाग स्तरीय कराते प्रतियोगिता के लिए श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल के दो खिलाड़ियों का चयन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेल प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहित करने की दिशा में श्री राजेश्वर पब्लिक स्कूल आलोट के विद्यार्थियों ने एक और उपलब्धि हासिल करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। रतलाम के एक निजी विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता में विद्यालय के पांच विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, आत्मविश्वास एवं अनुशासन का प्रदर्शन किया। शानदार प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय के वैभवी पाटीदार एवं प्रिंस कुशवाहा का चयन आगामी संभाग स्तरीय कराते प्रतियोगिता के लिए किया गया। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण से यह उपलब्धि हासिल कर विद्यालय की खेल प्रतिभा को एक नई पहचान दिलाई। उनके चयन से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। खिलाड़ियों की इस सफलता में क्रीड़ा शिक्षक श्री विजय जोशी एवं शिक्षिका श्रीमती मधु पिपलोदिया के मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय प्रबंधन ने दोनों चयनित खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए आगामी संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन की कामना की। साथ ही विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और आत्मविश्वास ही सफलता की मजबूत नींव हैं।

पंचायत उप निर्वाचन 2026 में शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ मतदान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत उप निर्वाचन 2026 (पूर्वार्द्ध) के अंतर्गत जिले में मंगलवार को जिला पंचायत राणापुर के वार्ड क्रमांक-06 के सदस्य पद तथा जनपद पंचायत थांदला की ग्राम पंचायत पलासडोर के सरपंच पद के लिए मतदान शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ। मतदान प्रक्रिया के दौरान मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग करते हुए सहभागिता की। जिला पंचायत राणापुर के वार्ड क्रमांक-06 में कुल 60 हजार 942 मतदाता हैं, जिनमें 30 हजार 197 पुरुष, 30 हजार 740 महिला एवं 5 अन्य मतदाता शामिल हैं। मतदान समाप्ति तक यहां कुल 24 हजार 756 मतदाताओं ने मतदान किया, जिसमें 12 हजार 720 पुरुष, 12 हजार 35 महिला एवं एक अन्य मतदाता शामिल है। इस प्रकार यहां कुल 40.62 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। पुरुष मतदाताओं का मतदान प्रतिशत 42.12, महिला मतदाताओं का 39.15 तथा अन्य मतदाताओं का 20 प्रतिशत रहा।

गुरुदेव के 200 वीं जन्म शताब्दी के अवसर पर महाभिषेक...

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अभिधान राजेन्द्र कोष के रचयिता 20 वीं शताब्दी के युगपुरुष मोहनखेड़ा के नायक प्रातः स्मरणीय दादा गुरुदेव श्री मद विजय राजेंद्र सुरीश्वर की महाराज की 200 वी जन्म शताब्दी महामहोत्सव निमित संपूर्ण भारत भर में भव्य महा अभिषेक का आयोजन प पु लाभेश विजयी जी म सा के प्रेरणा से पूरे देश में हो रहा है। सोमवार को प्रातः गुरु मंदिर में तो दिन में प्राचीन आदिनाथ जिनालय में विराजित गुरुदेव की प्रतिमा का महा अभिषेक का आयोजन धूमधाम से मनाया गया। डॉ प्रदीप बाफना ने जानकारी देते हुवे बताया कि विधिकारक ने संगीत के साथ मंत्रों उच्चारण से विधि विधान के साथ अभिषेक सम्पन्न किया।इस अवसर पर नगर के जैन धर्मालुजनों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया अष्टप्रकार की पूजा गुरुदेव की महा आरती की गई। विधिकारक जितेंद्र जैन ने बताया कि महाभिषेक का यह आयोजन देश के महाराष्ट्र,आंध्रप्रदेश, गुजरात,राजस्थान, मुम्बईआदि प्रांतों देशों से होता हुआ विदेश में भी भ्रमण किया जाएगा। श्री संघ की ओर से विधिकारक व टिम का आभार माना गया।

डीईओ से कथित अभद्रता और धमकी के मामला में निलंबित शिक्षक कैलाश मालवीय मंगलवार को फिर कार्यालय के एक कर्मचारी से किया विवाद, मामला पहुंचा थाना कोतवाली

आगर मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के शिक्षा विभाग से जुड़ा डीईओ कार्यालय मंगलवार को उस समय विवाद का अखाड़ा बन गया, जब निलंबित शिक्षक कैलाश मालवीय और कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी के बीच जमकर विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट, गाली-गलौज और कार्यालय में तोड़फोड़ के गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला बढ़ने के बाद दोनों ही पक्ष कोतवाली थाने पहुंचे और पुलिस को अलग-अलग आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की।

बताया जा रहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी के साथ कथित दुर्व्यवहार और संबंधित वीडियो वायरल किए जाने के मामले में शिक्षक कैलाश मालवीय निलंबित चल रहे हैं। मंगलवार को कैलाश मालवीय किसी निजी कार्य से डीडीओ कार्यालय पहुंचे थे। इसी दौरान उनका कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी से विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और दोनों पक्षों की ओर से मारपीट के आरोप सामने आने लगे।

पूर्व के घटना क्रम में निलंबित शिक्षक हर बार की तरह निलबंन पर रोक के लिए हाई कोर्ट इंदौर की शरण गया था लेकिन इस बार कोर्ट से निराशा मिलने के बाद निलंबित शिक्षक अपना मानसिक स्वास्थ्य खराब होने से विभाग के कर्मचारी से भिड़ गया , जबकि निलंबन अवधि में शिक्षक का मुख्यालय शाजापुर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यकाल होने के बाद भी वहां से गायब होकर आगर जिले के डीईओ कार्यालय में जाकर कर्मचारी से भीड़ गया ।

डीईओ आगर के कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी ने अपने आवेदन में आरोप लगाया कि कैलाश मालवीय उनके कक्ष में पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। उन्होंने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान कार्यालय में रखी फाइलें बिखर गईं तथा कंप्यूटर में भी तोड़फोड़ की गई। कर्मचारी के अनुसार स्थिति बिगड़ने पर उन्होंने किसी तरह वहां से निकलकर अपनी जान बचाई। घटना के समय जिला शिक्षा अधिकारी नितेश पांडे मौके पर मौजूद थे और उन्होंने विवाद को देखा। हालांकि इस संबंध में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना के बाद दोनों पक्ष कोतवाली थाने पहुंचे और एक-दूसरे के खिलाफ आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस अब दोनों पक्षों के आरोपों और घटनाक्रम की जांच कर रही है। जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि विवाद की शुरुआत किस बात को लेकर हुई और मारपीट व तोड़फोड़ के आरोपों में कितनी सच्चाई है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम ने शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली और कार्यालयीन अनुशासन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस कार्यालय से जिले के स्कूलों में अनुशासन, नियम और मर्यादा कायम रखने की जिम्मेदारी जुड़ी है, उसी कार्यालय में अधिकारी-कर्मचारी और निलंबित शिक्षक के बीच इस तरह का विवाद सामने आना विभाग के लिए असहज स्थिति पैदा करने वाला है।

डूब के डर में जी रहे झोपड़िया के आदिवासी, हक के लिए कलेक्ट्रेट में गूंजी आवाज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाणदा बांध परियोजना से प्रभावित ग्राम झोपड़िया के आदिवासी भील परिवारों के सब्र का बांध अब टूट चुका है। डूब का खतरा और प्रशासनिक अनदेखी से नाराज ग्रामीण सोमवार को किसान नेता राजकुमार अहीर के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचे।

अपनी बुनियादी मांगों को लेकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को एक शिकायती ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनके सुरक्षित पुनर्वास की व्यवस्था नहीं हुई तो वे उग्र रुख अख्तियार करेंगे। सौंपे गए ज्ञापन में आदिवासियों ने प्रमुखता से मांग उठाई कि शासन की विस्थापन एवं पुनर्वास नीति के तहत 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के युवाओं को पृथक (स्वतंत्र) परिवार माना जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जल संसाधन विभाग के त्रुटिपूर्ण सर्वे और विसंगतियों के कारण इन युवाओं को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। उन्हें भी मुख्य सूची में शामिल कर अलग से मुआवजा और पुनर्वास के लाभ दिए जाएं। प्रभावित परिवारों ने कलेक्ट्रेट में अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि हर साल बारिश के दिनों में यह पूरा क्षेत्र जलमग्न हो जाता है। रास्ते बंद होने से गांव का संपर्क टूट जाता है और वे टापू के बीच रहने को मजबूर होते हैं। जलभराव के कारण हर वक्त किसी अप्रिय घटना या बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। भील समाज के पीड़ित परिवारों ने बताया, ÷हम सब मजदूरी और छोटी-मोटी खेती पर निर्भर हैं। हमारी आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर है कि हम खुद नई जमीन खरीदकर पक्का मकान बनाने की सोच भी नहीं सकते। जब बांध से प्रभावित अन्य लोगों को मुआवजा और जमीन मिल रही है, तो हमारे साथ यह भेदभाव क्यों ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन अन्य विस्थापितों की तर्ज पर उनके लिए भी सुरक्षित स्थान पर कॉलोनी विकसित करे और आवासीय पट्टे के साथ पक्के मकान उपलब्ध कराए।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न, कलेक्टर ने स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार के दिए निर्देश

समस्त गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का समय पर हाई रिस्क चिन्हांकन एवं प्रबंधन सुनिश्चित करें - कलेक्टर

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, क्षय एवं मलेरिया नियंत्रण, एड्स नियंत्रण, जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता योजना, आयुष्मान भारत, परिवार कल्याण सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई।

मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री चंद्रा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन, हाई रिस्क गर्भावस्था का चिन्हांकन तथा उसका उचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सेक्टर मेडिकल ऑफिसरों को एएनसी पंजीयन एवं हाई रिस्क महिलाओं के चिन्हांकन और प्रबंधन की नियमित समीक्षा करने तथा अनमोल एवं यू-विन पोर्टल का स्वयं संचालन करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के प्रमुख निर्देश-

- प्रत्येक गर्भवती महिला का प्रथम त्रैमास में पंजीयन कर उसका समग्र आईडी बनवाते हुए अनमोल पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित करें।

- गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व कम से कम चार स्वास्थ्य जांच स्वास्थ्य संस्थाओं में कराना सुनिश्चित करें।

- सभी उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं का संभावित प्रसव तिथि से 15 दिन पूर्व प्रतिदिन ट्रैकिंग शुरू करें और उनका प्रसव उच्च स्तरीय स्वास्थ्य संस्था में ही हो, यह सुनिश्चित करें।

- पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को आयु अनुसार सभी आवश्यक टीके लगना सुनिश्चित करें।

- टीकाकरण में प्रतिरोधी परिवार वाले क्षेत्रों में महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेकर शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करें।

- कम उम्र में गर्भधारण करने वाली महिलाओं को विशेष देखभाल एवं आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग समन्वय से कार्य करें।

- सिंगोली एवं मनासा के एनबीएसयू का जिला टीकाकरण अधिकारी नियमित भ्रमण कर सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करें तथा अनावश्यक रेफरल पर रोक लगाएं।

- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी माह में सघन सर्वे कर जन्मजात विकृतियों वाले बच्चों का चिन्हांकन सुनिश्चित करें।

- मातृ मृत्यु, बाल एवं शिशु मृत्यु, एचबीएनसी, क्षय नियंत्रण, मलेरिया नियंत्रण, एड्स नियंत्रण, जननी सुरक्षा योजना, प्रसूति सहायता योजना के भुगतान, आयुष्मान भारत कार्ड निर्माण तथा परिवार कल्याण कार्यक्रम की प्रगति में आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें।

6 अक्टूबर को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस- बैठक में 6 अक्टूबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफल आयोजन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. मुकेश मोरिया ने अभियान की तैयारियों के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव ने महिला एवं बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत तथा शाला त्यागी सभी लक्षित बच्चों का आवश्यक रूप से कृमिनाशन कराया जाना सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत 6 अक्टूबर को कृमिनाशक दवा खिलाई जाएगी, जबकि मॉप-अप दिवस 9 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। इस दौरान 6 अक्टूबर को दवा लेने से छूटे बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाई जाएगी।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश प्रसाद, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. महेंद्र पाटील, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राजेश गुप्ता, समस्त खंड चिकित्सा अधिकारी, सेक्टर मेडिकल ऑफिसर, समस्त नोडल अधिकारी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 06 के मतदान केंद्रों का कलेक्टर एवं एसपी ने किया निरीक्षण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत उप-निर्वाचन (पूर्वार्द्ध) 2026 के अंतर्गत जिला पंचायत वार्ड क्रमांक 06 में मंगलवार को मतदान प्रक्रिया के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. योगेश तुकाराम भरसट तथा पुलिस अधीक्षक श्री देवेंद्र पाटीदार ने विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर मतदान प्रक्रिया एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भरसट तथा पुलिस अधीक्षक श्री पाटीदार ने मातासुला, समोई, कंजावानी मिर्चा, कंजावानी खास, छायन, मोर डुंडिया, झांझरवा एवं छायन सेमलखेड़ी के मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए उपलब्ध कराई गई मूलभूत सुविधाओं, मतदान कक्ष की व्यवस्थाओं, मतदान दलों की कार्यप्रणाली तथा सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान करने पहुंचे मतदाताओं से संवाद कर मतदान केंद्र पर उपलब्ध व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। साथ ही मतदान दलों से चर्चा कर मतदान की प्रगति एवं निर्वाचन प्रक्रिया के संचालन की जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भरसट ने मतदान दलों को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए मतदान प्रक्रिया को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान के दौरान प्रत्येक मतदाता को सहज एवं निर्बाध रूप से अपने मताधिकार का उपयोग करने की सुविधा सुनिश्चित की जाए।

पुलिस अधीक्षक श्री पाटीदार ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा तैनात पुलिस बल को सतर्कता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान केंद्रों एवं आसपास के क्षेत्र में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान सहायक कलेक्टर सुश्री आयुषी बंसल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ श्री महेश मंडलोई एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आज तक ब्लेक बोर्ड नही देखा, क ख ग तक का ज्ञान नही

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विकास और शिक्षा के क्षेत्र में जावद विधानसभा क्षेत्र को अग्रणी बताने वाले शासकीय दावों के बीच एक ऐसी मर्मस्पर्शी और ध्यान आकर्षण करने वाली जमीनी सच्चाई सामने आई है, जो नीति-निर्धारकों को सोचने पर मजबूर करती है।

ग्राम पंचायत बाणदा के अंतर्गत आने वाले विस्थापित क्षेत्र रामनगर (ढोढा) में पिछले दो दशकों से निवासरत भील आदिवासी परिवार आज भी अपने बच्चों के सुरक्षित और शिक्षित भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आधुनिकता के इस दौर में भी इस सुदूर बस्ती के करीब 40 भील आदिवासी बच्चों ने आज दिन तक स्कूल का श्यामपट्ट (ब्लैकबोर्ड) तक नहीं देखा है। इन नन्हे बच्चों को अक्षरों का बुनियादी ज्ञान (क ख ग) और प्रारंभिक गिनती तक नहीं पता है, जिससे वे पूरी तरह साक्षरता के प्रकाश से दूर हैं।

दो दशकों का दंश- चुनाव के समय मिलते हैं आश्वासन, बाद में कोई सुध नहीं लेता- रामनगर (ढोढा) के पीड़ित भील परिवारों ने भावुक होकर बताया कि वे विगत 20 वर्षों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं। चुनावी बेला में तमाम राजनीतिक दलों के नेता और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि यहाँ आकर बड़े-बड़े वादे करते हैं और मत (वोट) लेकर चले जाते हैं, परंतु चुनाव संपन्न होते ही इन आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ दिया जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, इस उपेक्षा के बीच विगत 5-6 वर्षों से केवल कांग्रेस नेता बालकिशन धाकड़ ही नियमित रूप से उनकी सुध लेने बस्ती में आते हैं। वे समय-समय पर आदिवासियों के सुख-दुख में सहभागी बनते हैं और त्योहारों पर बच्चों को वस्त्र, मिष्ठान व आवश्यक सामग्री वितरित कर मानवीय संबल प्रदान करते हैं।

5 किलोमीटर की जानलेवा दूरी और उफनता नाला बना भविष्य की बाधा- प्राप्त जानकारी के अनुसार, विस्थापन से पूर्व इस बस्ती के समीप प्राथमिक विद्यालय संचालित था, जहाँ लगभग 45 बच्चे अध्ययनरत थे। किंतु 5-6 वर्ष पूर्व जब यह संपूर्ण बस्ती रामनगर (ढोढा) के नाम से विस्थापित हुई, तो शिक्षा की वह कड़ी पूरी तरह टूट गई। वर्तमान में जो शासकीय विद्यालय क्रियाशील है, वह यहाँ से लगभग 4 से 5 किलोमीटर दूर स्थित है। सुदूर मार्ग पर आवागमन का कोई सुगम साधन उपलब्ध नहीं है और सबसे बड़ी बाधा मार्ग में पड़ने वाला एक खतरनाक बरसाती नाला है।

वर्षाकाल के दिनों में इस नाले में तीव्र उफान आने से रास्ता कई दिनों तक पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है। ऐसी विकट भौगोलिक परिस्थितियों में भील परिवार अपने नन्हें बच्चों को सुरक्षा कारणों से इतनी दूर भेजने का जोखिम नहीं उठा पाते। इसी प्रशासनिक उपेक्षा के चलते बस्ती के होनहार बालक शांतिलाल भील को पढ़ने की तीव्र ललक के कारण अपना घर छोड़ ननिहाल पलासिया जाना पड़ा था। वहां रहकर उसने जैसे-तैसे चौथी कक्षा तक पढ़ाई तो की, परंतु पारिवारिक परिस्थितियां अनुकूल न रहने के कारण उसे बीच में ही पढ़ाई छोड़ गाँव लौटना पड़ा और आज वह पुनः निरक्षर बैठने को विवश है।

जनप्रतिनिधि की उदासीनता पर धाकड़ का रोष, अपनी जेब से वेतन देने का संकल्प- जब कांग्रेस के कद्दावर नेता बालकिशन धाकड़ आदिवासियों के बीच पहुँचे और नन्हें बच्चों को पूरी तरह अक्षरों से महरूम देखा, तो उनका हृदय द्रवित हो उठा और उनकी आँखों से आँसू छलक पड़े। धाकड़ ने जावद क्षेत्र को शिक्षा में अव्वल बताने वाले दावों पर कड़ा रोष व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा पर सीधा निशाना साधा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता गोपाल धाकड़ जिला अंत्योदय समिति में मनोनीत, सिंगोली अंचल में भारी उत्साह

प्रभारी मंत्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता व कलेक्टर हिमांशु चंद्रा की मौजूदगी वाली हाई-प्रोफाइल समिति में मिली जगह

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी सिंगोली मंडल के पूर्व अध्यक्ष, प्रखर वक्ता और क्षेत्र के कद्दावर भाजपा नेता श्री गोपाल धाकड़ को मध्य प्रदेश शासन द्वारा नीमच जिला अंत्योदय समिति का मनोनीत सदस्य नियुक्त किया गया है। इस अत्यंत महत्वपूर्ण जिला स्तरीय प्रशासनिक समिति में सिंगोली अंचल को बड़ा प्रतिनिधित्व मिलने की खबर आते ही समूचे क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई। ऊर्जावान कार्यकर्ताओं ने सिंगोली मुख्यालय सहित ग्रामीण चौपालों पर जमकर आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर नेतृत्व का आभार जताया।

उल्लेखनीय है कि इस हाई-प्रोफाइल समिति की कमान प्रदेश की कैबिनेट व जिला प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया (अध्यक्ष) और नीमच जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा (पदेन सचिव) के हाथों में है। ऐसी नीतिगत और प्रभावी फैसले लेने वाली समिति में श्री धाकड़ की एंट्री को सिंगोली क्षेत्र की ग्रामीण राजनीति के लिए एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है।

दोहरी जिम्मेदारी से बढ़ा क्षेत्र का राजनीतिक वजन- वर्तमान में श्री गोपाल धाकड़ जावद जनपद पंचायत में सांसद प्रतिनिधि के रूप में भी अत्यंत सक्रियता से दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

सांसद प्रतिनिधि के बाद अब सीधे जिला स्तरीय अंत्योदय समिति में जगह मिलने से उनका राजनीतिक कद और क्षेत्र का वजन और अधिक बढ़ गया है।

क्षेत्रवासियों को पूरी उम्मीद है कि अब सिंगोली क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं, जैसे- कृषि, सिंचाई, स्वास्थ्य और ग्रामीण सड़कों के मुद्दों का जिला स्तर पर त्वरित और ठोस निराकरण हो सकेगा।

शीर्ष नेतृत्व, सांसद गुप्ता और पूर्व मंत्री सकलेचा का माना आभार- मनोनयन की आधिकारिक घोषणा के बाद नवनियुक्त सदस्य श्री गोपाल धाकड़ ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व और मुख्यमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद श्री सुधीर गुप्ता एवं जावद विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा का हृदय से आभार माना।

श्री धाकड़ ने कहा, ÷वरिष्ठ नेतृत्व ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, वह पद नहीं बल्कि जनता की सेवा का एक पवित्र माध्यम है। ग्रामीण अंचलों में केंद्र व राज्य सरकार की हर कल्याणकारी नीति का शत-प्रतिशत और पारदर्शी लाभ सीधे पात्र हितग्राही की दहलीज तक पहुंचे, यही मेरा एकमात्र संकल्प है।÷ उन्होंने साफ किया कि वे प्रशासन और आम जनता के बीच एक मजबूत सेतु की तरह काम करेंगे।

जनप्रतिनिधियों और सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने दी दूरभाष पर बधाई- श्री धाकड़ की इस गरिमामयी और महत्वपूर्ण नियुक्ति पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने भारी खुशी जताई है।

सिंगोली नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश कुमार बगड़ा, नगर परिषद उपाध्यक्ष मोतीलाल धाकड़, भाजपा के वरिष्ट नेता दिनेश जोशी, भाजपा मंडल महामंत्री पारस कुमार जैन, ओंकारलाल धाकड़, थड़ोद ग्राम पंचायत के सरपंच श्री जगदीश खींची, फुसरिया ग्राम पंचायत के सरपंच श्री बाबूलाल धाकड़ श्री ब ताल ग्राम पंचायत के सरपंच श्री बबलू गुर्जर ग्राम पंचायत बड़ी सरपंच प्रकाश धाकड़ झांतला सरपंच विनोद धाकड़ , धनगांव के पूर्व सरपंच सुगनमल धाकड़ झांतला बूथ अध्यक्ष प्रेम चन्द्र प्रजापत सहित क्षेत्र के सैकड़ों सक्रिय कार्यकर्ताओं, जनपद सदस्यों और प्रबुद्ध जनों ने श्री धाकड़ को दूरभाष पर अग्रिम शुभकामनाएं और बधाइयां प्रेषित कीं। सभी का मानना है कि श्री धाकड़ की इस सक्रियता से क्षेत्र में जनहित के कार्यों को एक नई ऊर्जा और अभूतपूर्व गति मिलेगी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

दूसरे दिन भी शाही मस्जिद के हिस्से पर कार्रवाई, मीनार पर मचान बांधी

रातभर होटल में डटे रहे कलेक्टर-एसपी- सुबह संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च, कई रास्ते सील

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गोपाल मंदिर के सामने स्थित शाही मस्जिद के मास्टर प्लान की जद में आ रहे हिस्से को हटाने की कार्रवाई मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रही। सुबह प्रभावित हिस्से की जालियां हटाने और नीचे की दुकानें खाली कराने का काम किया गया। जद में आ रहे मीनार के हिस्से को हटाने के लिए मचान बांधने का काम भी शुरू हो गया। सोमवार की तनातनी के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

सोमवार को कार्रवाई के दौरान मस्जिद को पूरी तरह ढहाए जाने की अफवाह के बाद जामा मस्जिद और कालियादेह गेट क्षेत्र में भीड़ जुट गई थी। पथराव के बाद पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी और हल्का बल प्रयोग किया था। इसके बाद रातभर अधिकारी और पुलिस बल मौके पर तैनात रहे।

रात 12 बजे तक काम, सुबह 6 बजे फिर जुटे- मस्जिद के प्रभावित हिस्से को हटाने के काम में मुस्लिम समाज के करीब 15 लोग जुटे हैं। सोमवार रात करीब 12 बजे तक काम चला। मंगलवार सुबह 6 बजे फिर कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रभावित हिस्से के नीचे की दुकानें खाली करा दी गई हैं और दुकानदार सामान हटा चुके हैं।

मीनार के हिस्से तक पहुंचेगी कार्रवाई- मास्टर प्लान की जद में आ रहे मीनार के हिस्से को हटाने की तैयारी शुरू हो गई है। मंगलवार सुबह मचान बांधी गई। इसके बाद प्रभावित हिस्से को हटाने का काम किया जाएगा।

कलेक्टर-एसपी रातभर रहे पास- कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी रातभर मस्जिद के पास स्थित होटल में रुके रहे। रात करीब 8 बजे रिलीवर फोर्स पहुंचने के बाद पुलिसकर्मियों की शिफ्ट बदली गई। अधिकारियों ने रातभर स्थिति पर नजर रखी।

बैरिकेडिंग कर रास्ते बंद- सत्यनारायण मंदिर-ढाबा रोड, पटनी बाजार, खड़े हनुमान, छत्री चौक और कमरी मार्ग से गोपाल मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते बंद हैं। कंठाल चौराहा, कमरी मार्ग चौराहा और लखेरवाड़ी-पटनी बाजार मार्ग पर भी बैरिकेडिंग की गई है।

संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च- सोमवार की घटना वाले इलाकों में मंगलवार सुबह से पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। संभागायुक्त आशीष सिंह, आईजी राकेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी अलग-अलग प्वाइंट पर तैनात हैं। पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है।

अपर कलेक्टर श्री शर्मा द्वारा विभिन्न मामलों में जनसुनवाई की गई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में अपर कलेक्टर श्री शाश्वत शर्मा के द्वारा मंगलवार को प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में विभिन्न आवेदनों पर जनसुनवाई की गई।

शहर के गणगौर दरवाजा, सिद्धसेन मार्ग निवासी रविन्द्र त्रिवेदी ने आवेदन देकर शिकायत की कि क्षेत्र में विवाह एवं अन्य कार्यक्रमों में न्यायालय द्वारा निर्धारित डेसिबल की सीमा से अधिक आवाज में डीजे/बैंड संचालकों के द्वारा डीजे का संचालन किया जा रहा है। जिस वजह से न सिर्फ ध्वनि प्रदूषण होता है, बल्कि स्थानीय निवासियों, विशेषत- वृद्धजनों और कमजोर हृदय वालों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। अत- विभिन्न कार्यक्रमों में निर्धारित सीमा से अधिक आवाज में डीजे के उपयोग पर तुरंत रोक लगाई जाए। इस पर थाना प्रभारी खाराकुआं को जांच कर नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम कांवलीखेड़ा, तहसील तराना निवासियों ने आवेदन दिया कि वे गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करते हैं तथा पात्र होने के बाद भी आवासीय योजना में उनका नाम नहीं है। इस पर तहसीलदार तराना को आवश्यकतानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

झारड़ा निवासी बाबू खान ने आवेदन दिया कि वे काफी समय से गांव में रह रहे हैं तथा उन्हें आवासीय पट्टा प्रदान किया जाए। इस पर तहसीलदार झारड़ा को उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

बड़नगर निवासी बाबूलाल ने आवेदन दिया कि उनकी कृषि भूमि पर सीमांकन कराए जाने के पश्चात भी व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से किया गया कब्जा अभी तक छोड़ा नहीं गया है। अत- शीघ्र अतिशीघ्र कब्जा हटवाया जाए। इस पर एसडीएम बड़नगर को मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

तराना निवासी भगवान सिंह ने आवेदन दिया कि उनके स्वामित्व की कृषि भूमि पर आवागमन के मुख्य मार्ग पर एक व्यक्ति के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण कर बाड़ लगा दी गई है। जिस वजह से उन्हें कृषि कार्य करने में काफी परेशानी हो रही है और उनकी फसल को भी काफी नुकसान पहुंच रहा है। इस पर तहसीलदार माकड़ौन को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

इसी प्रकार अन्य अधिकारियों द्वारा जनसुनवाई में आए अन्य मामलों में आवश्यक कार्यवाही की गई।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नर्सिंग महाविद्यालय उज्जैन में लगाए गए जनजागरूकता स्टॉल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने तथा व्यापक जनजागरूकता के उद्देश्य से 29 सितम्बर 2026 को नर्सिंग महाविद्यालय, उज्जैन में सूचना एवं प्रचार-प्रसार पर आधारित विभिन्न प्रकार के प्रदर्शनात्मक स्टॉल लगाए गए।

स्टॉलों के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों, बीमारियों से बचाव, स्वस्थ जीवनशैली, पोषण, गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, जनजागरूकता एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां आकर्षक एवं सरल माध्यम से प्रदर्शित की गईं। नर्सिंग छात्राओं द्वारा स्टॉलों के माध्यम से स्वास्थ्य संदेशों को आमजन तक पहुंचाने के लिए उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल, जिला उज्जैन द्वारा सभी स्टॉलों का अवलोकन किया गया। उन्होंने स्टॉलों में प्रदर्शित जानकारी, रचनात्मक प्रस्तुति एवं जनजागरूकता के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

7 अक्टूबर को उज्जैन में जिला स्तरीय युवा संगम रोजगार मेला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला स्तरीय युवा संगम रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, उज्जैन एवं प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में यह रोजगार मेला 7 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक महाविद्यालय परिसर में आयोजित होगा।

रोजगार मेले में विभिन्न कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं की सीधी भर्ती की जाएगी। मेले में सर्विस एडवाइजर, सुपरवाइजर, डाटा एंट्री ऑपरेटर, सेल्स एवं मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, मशीन वर्कर/ऑपरेटर तथा इंश्योरेंस एडवाइजर सहित विभिन्न पदों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

मेले में स्वतंत्र माइक्रोफिन प्राइवेट लिमिटेड, श्री बालाजी इंडस्ट्रीज, भागीरथ मोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, कृषि दर्पण एग्रो प्राइवेट लिमिटेड, सीआईआई-एमसीसी मॉडल कैरियर सेंटर, कटारिया ग्रुप, वीजेए एग्रो बायोकेयर प्राइवेट लिमिटेड, बेस्ट लाइफस्टाइल अपैरल प्राइवेट लिमिटेड, टी.एस.सी.एफ.एम. सेज फाउंडेशन, आईसेक्ट लिमिटेड, प्रतिभा स्वराज प्रा.लि., पुखराज हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड, भारतीय जीवन बीमा निगम, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एआईसेक्ट इंडिया, पीएस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन एवं किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड सहित अन्य कंपनियां एवं नियोजक शामिल होंगे।

18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे आवेदक, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 8वीं से स्नातकोत्तर तक है, रोजगार मेले में भाग ले सकते हैं। इसके अलावा आईटीआई वेल्डर एवं फिटर योग्यता रखने वाले आवेदक भी अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार के लिए आवेदन कर सकेंगे।

रोजगार मेले में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियां, बायोडाटा, आधार कार्ड तथा अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियां साथ लाना अनिवार्य होगा। विभाग ने पात्र युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में शामिल होकर उपलब्ध रोजगार अवसरों का लाभ उठाने की अपील की है।

शाही मस्जिद मामले में पथराव की कड़ियां जोड़ रही पुलिस

भीड़ में कौन था, कहां से आया... मोबाइल लोकेशन से खुलेगा राज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाही मस्जिद के प्रभावित हिस्से को हटाने के दौरान सोमवार को हुए पथराव के बाद अब पुलिस की जांच का फोकस सिर्फ पत्थर फेंकने वालों की पहचान तक सीमित नहीं है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि घटनास्थल पर भीड़ कैसे जुटी, उसमें कौन-कौन शामिल था और क्या कुछ लोग बाहर से उज्जैन पहुंचे थे। इसके लिए सीसीटीवी, ड्रोन फुटेज, मोबाइल लोकेशन और सोशल मीडिया गतिविधियों को जांच की कड़ी से जोड़ा जा रहा है।

पुलिस ने घटना के बाद 15 लोगों को हिरासत में लिया है। अलग-अलग रिपोर्टों में 7 और 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर की जानकारी सामने आई है। पुलिस फुटेज के आधार पर पथराव में सीधे शामिल लोगों की पहचान कर रही है। हिरासत में लिए गए सभी लोगों की भूमिका जांच पूरी होने के बाद स्पष्ट होगी।

पहले से जुट रही थी भीड़, बैरिकेडिंग के पास बिगड़ी स्थिति- सड़क चौड़ीकरण के लिए शाही मस्जिद का मास्टर प्लान की जद में आने वाला हिस्सा हटाया जा रहा था। रविवार रात प्रशासन और मस्जिद से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच सहमति बनी थी कि प्रभावित हिस्सा मशीन से हटाने के बजाय समाज के लोग स्वयं इसे हटाएंगे।

सोमवार सुबह काम शुरू होने के साथ मस्जिद के आसपास भीड़ बढ़ने लगी। बैरिकेडिंग के पास पहुंचने की कोशिश के दौरान स्थिति बिगड़ी और पुलिस पर पथराव हुआ। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े और बल प्रयोग किया।

अब मोबाइल और सीसीटीवी बताएंगे कौन कब पहुंचा- पुलिस की जांच में अब हिरासत में लिए गए लोगों के मोबाइल फोन और उनकी लोकेशन महत्वपूर्ण कड़ी मानी जा रही है। कॉल डिटेल, सीसीटीवी फुटेज और दूसरे डिजिटल साक्ष्यों से यह पता लगाने की कोशिश होगी कि कौन व्यक्ति कब उज्जैन पहुंचा, किसके संपर्क में था और घटना के समय उसकी भूमिका क्या थी। हालांकि अभी तक यह साबित नहीं हुआ है कि पथराव करने वाले लोग बाहर से आए थे। पुलिस इसी बिंदु की भी जांच कर रही है।

फेक वीडियो ने बढ़ाया तनाव, सोशल मीडिया भी निगरानी में- घटना के दौरान और उसके बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो प्रसारित हुए। जांच में ऐसे वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें पूरी शाही मस्जिद को गिराते हुए दिखाया गया, जबकि प्रशासन की कार्रवाई प्रभावित हिस्से तक सीमित थी। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये वीडियो कहां से बनाए या प्रसारित किए गए और इन्हें कितने लोगों तक पहुंचाया गया। सोशल मीडिया पर गलत सूचना या तनाव बढ़ाने वाली सामग्री प्रसारित करने वालों पर भी कार्रवाई की जा रही है।

अब तीन स्तर पर जांच- पथराव करने वाले कौन थे, भीड़ में बाहरी लोगों की भूमिका क्या थी और सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री किसने फैलाई।

इन तीन बिंदुओं पर पुलिस जांच आगे बढ़ रही है। सीसीटीवी और ड्रोन फुटेज से घटनास्थल की गतिविधियां जोड़ी जा रही हैं, जबकि डिजिटल साक्ष्यों से भीड़ जुटने की पूरी कड़ी तलाशने की कोशिश है। शाही मस्जिद का प्रभावित हिस्सा सिंहस्थ की तैयारियों के तहत सड़क चौड़ीकरण की योजना की जद में आया है। इसी हिस्से को हटाने की कार्रवाई के दौरान सोमवार को विवाद और पथराव की स्थिति बनी थी।

अफवाह और अफरा-तफरी के दूसरे दिन सामान्य तरह से लगे स्कूल

सोमवार को पालकों को फोन कर बच्चों को लेने बुलाया था, मंगलवार को सभी स्कूलों में पहुंचे विद्यार्थी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शाही मस्जिद के हिस्से को हटाने की कार्रवाई को लेकर सोमवार को फैली अफवाह और तनाव के बाद आज शहर के स्कूलों में स्थिति सामान्य रही। मंगलवार सुबह सभी स्कूल सामान्य दिनों की तरह खुले और विद्यार्थी भी पहुंचे। कक्षाएं नियमित रूप से चलीं।

सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर शाही मस्जिद को ढहाए जाने की अफवाह तेजी से फैली थी। इसके बाद छत्री चौक क्षेत्र में पुलिस पर पथराव हुआ। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। शहर के कुछ अन्य इलाकों में भी चक्काजाम और विरोध की स्थिति बनी थी।

स्कूल प्रबंधन ने पालकों को किए थे फोन-तनाव की जानकारी स्कूलों तक पहुंचने के बाद कई स्कूल प्रबंधनों ने एहतियात बरती। पालकों को फोन कर बच्चों को स्कूल से सुरक्षित घर ले जाने के लिए कहा गया। इससे कुछ समय के लिए स्कूलों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। हालांकि मंगलवार सुबह स्थिति सामान्य रहने से स्कूलों में रोज की तरह पढ़ाई शुरू हुई।

आपसी सहमति से शुरू हुआ था हटाने का काम- गोपाल मंदिर के सामने स्थित शाही मस्जिद का मास्टर प्लान की जद में आने वाला हिस्सा सड़क चौड़ीकरण के लिए हटाया जा रहा है। प्रशासन ने सोमवार को मस्जिद कमेटी के साथ समन्वय और आपसी सहमति के बाद कार्रवाई शुरू की थी। इसी दौरान सोशल मीडिया पर मस्जिद को पूरी तरह ढहाए जाने की अफवाह फैल गई, जिसके बाद स्थिति बिगड़ी।

छुट्टी का फैसला अब भोपाल से- इधर स्कूलों को लेकर शिक्षा विभाग ने भी स्थिति स्पष्ट कर दी है। भोपाल से जारी निर्देशों के अनुसार स्थानीय स्तर पर स्कूलों में इस तरह अवकाश घोषित नहीं किया जाएगा। स्कूल बंद रखने का निर्णय शिक्षा विभाग स्तर से ही लिया जाएगा। मंगलवार को शहर के स्कूलों में इसी निर्देश के अनुरूप सामान्य रूप से कक्षाएं संचालित हुईं।

15 अक्टूबर तक बदले रूट से चलेगी मालवा एक्सप्रेस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। झांसी मंडल के अगासौद रेलवे स्टेशन पर यार्ड रीमाडलिंग कार्य के चलते डॉ. आंबेडकर नगर- माता वैष्णो देवी कटरा के बीच चलने वाली मालवा एक्सप्रेस का मार्ग 15 अक्टूबर तक बदला गया है। दोनों दिशाओं में ट्रेन परिवर्तित मार्ग से ही चलेगी।

मालवा एक्सप्रेस डॉ. आंबेडकर नगर से इंदौर, देवास होते हुए उज्जैन और मक्सी पहुंचेगी। इसके बाद निर्धारित मार्ग की बजाय रुठियाई और गुना होकर ग्वालियर जाएगी। आगे ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग से कटरा तक जाएगी।

इन स्टेशनों पर नहीं जाएगी ट्रेन- रूट बदलने के कारण मालवा एक्सप्रेस अब शुजालपुर, सीहोर, हिरदाराम नगर, निशातपुरा, बीना, ललितपुर और झांसी नहीं जाएगी। इन स्टेशनों से यात्रा करने वाले यात्रियों को 15 अक्टूबर तक वैकल्पिक ट्रेनों की व्यवस्था देखनी होगी।

दो अन्य ट्रेनों का भी बदला मार्ग- रेलवे के अनुसार डॉ. आंबेडकर नगर-कटरा के साथ वेरावल-जबलपुर एक्सप्रेस का मार्ग भी बदला गया है। परिवर्तित मार्ग के कारण दोनों ट्रेनों का भोपाल स्टेशन पर ठहराव समाप्त रहेगा, जबकि हिरदाराम नगर और निशातपुरा स्टेशन पर ठहराव रहेगा। यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन के बदले मार्ग और ठहराव की जानकारी जांचने की सलाह दी गई है।

वाराणसी से वडनगर तक 'सेवा संकल्प यात्रा' का उज्जैन में आगमन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वाराणसी से वडनगर तक आयोजित 'सेवा संकल्प यात्रा' बाबा महाकाल की पावन नगरी उज्जैन में प्रवेश करेगी। यात्रा का उद्देश्य सेवा, समर्पण और जनकल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। इस यात्रा के अंतर्गत उज्जैन में विभिन्न स्थानों पर यात्रा का स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा। यात्रा के निर्धारित क्रम के अनुसार यात्रा क्रमांक 5 चिंतामण मंदिर पहुंचेगी, जहां कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा यात्रा का स्वागत किया जाएगा। इसी क्रम में यात्रा क्रमांक 9 कोठी महल पहुंचेगी। यहां भी यात्रा का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया जाएगा तथा सेवा और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया जाएगा। 'सेवा संकल्प यात्रा' के उज्जैन आगमन को लेकर कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों में उत्साह का वातावरण है। यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं तथा नागरिकों के सहभागिता करने की अपेक्षा है।

साइबर ठगों ने फिर 2 खातों से किया ट्रांजेक्शन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑनलाइन साइबर ठगी के मामले लगातार सामने आ रहे है। एक बार फिर डॉक्टर और कर्मचारी के साथ 3.10 लाख की धोखाधड़ी होने के मामले 2 थाना पुलिस ने दर्ज किये है। पहला मामला चेरिटेबल अस्पताल में पदस्थ डॉ. संतोष दुबे के साथ हुआ था। जीवाजीगंज थाना प्रभारी प्रतीक शर्मा ने बताया कि डॉ. दुबे ने शिकायत दर्ज कराई कि उन्होने अपना सैलरी अकाउंट चैक किया था, उस दौरान ना तो किसी को ओटीपी बताया, ना ही किसी को जानकारी दी। उसके बाद भी उनके खाते से 3 से 4 बार राशि का ट्रांजेक्शन होने के मैसेज मोबाइल पर प्राप्त हुये। उनके खाते से 1.10 लाख रूपये अज्ञात बदमाश द्वारा निकाल लिये गये है। थाना प्रभारी ने बताया कि खाते से राशि निकलने पर ऑनलाइन साइबर हेल्प लाइन नम्बर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई गई थी, जहां से मामला जांच के लिये आने पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया है। डॉ. दुबे का जिस बैंक में खाता है, वहीं से जानकारी प्राप्त कर पता लगाया जायेगा कि उनके खाते से ट्रांजेक्शन हुई राशि किस खाते में और कहां गई है।

दूसरा मामला ग्रेसिम कालोनी का- ऑनलाइन धोखाधड़ी का दूसरा मामला बिरलाग्राम थाना क्षेत्र की ग्रेसिम स्टॉफ कालोनी का है। ग्रेसिम कंपनी में राजेन्द्र पिता देवीदास धामने कर्मचारी है। 9 सितंबर को उनके मोबाइल पर कॉल आया और बताया गया कि ऐक्सीस बैंक का क्रेडिट कार्ड बंद होने वाला है। कार्ड को जारी रखने के लिये लिंक पर जानकारी देना होगी। राजेन्द्र ने लिंक मिलने पर उस पर जानकारी दी। मोबाइल पर ओटीपी आया, जिसे बताया गया तो खाते से 2 लाख 572 रूपये का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन हो गया। पुलिस के अनुसार मामले में प्रकरण दर्ज किया गया है।

मजदूर ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मजदूरी करने वाले दो बच्चों के पिता ने शराब के साथ जहर मिलाकर पी लिया पड़ोसियों ने उसे देखा तो अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया घटना के समय पत्नी मजदूरी करने गई थी।

भैरवगढ़ थाना क्षेत्र के ढाबला धूता में रहने वाले सीताराम पिता भैरूलाल 35 साल मजदूरी करता था उसकी पत्नी भी दिहाड़ी मजदूरी पर जाती है। सोमवार सुबह पत्नी घर से निकल गई थी 2 बच्चे भी दोपहर में स्कूल चले गए थे। सीताराम घर पर अकेला था उसने शराब के साथ जहरीला पदार्थ मिलाकर पी लिया। शाम को बच्चे घर लौटे तो पिता बेसुध हालत में पड़ा था। बच्चों ने पड़ोसियों को जानकारी दी। सीताराम को अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। पत्नी सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंची। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। रात में मर्ग कायम किया गया मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है इस दौरान सामने आया कि सीताराम शराब पीने का आदी था कुछ दिन से मजदूरी पर भी नहीं जा रहा था पत्नी मजदूरी कर घर चल रही थी। परिजनों का कहना था कि सीताराम की शराब पीने की लत से परिवार में कोई वाद विवाद भी नहीं था। उसके ऊपर कर्ज भी नहीं है उसने ऐसा क्यों किया इसकी जानकारी नहीं है पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद जहरीला पदार्थ खाने का कारण सामने आ पाएगा।

'प्रगति 50' पहल में उज्जैन का चयन, देश के 50 मॉडल शहरों में शामिल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत नगरीय स्वच्छता एवं सेनिटेशन के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई 'प्रगति 50' पहल में उज्जैन शहर का चयन देश के 50 मॉडल शहरों में किया गया है। इन शहरों को स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर के आदर्श मॉडल के रूप में विकसित किए जाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

29 सितंबर 2026 को 'प्रगति 50' पहल का राष्ट्रीय शुभारंभ आवास एवं शहरी कार्य मंत्री भारत सरकार श्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुआ। कार्यक्रम में उज्जैन नगर पालिक निगम की ओर से महापौर श्री मुकेश टटवाल एवं निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा वीसी के माध्यम से सम्मिलित हुए तथा स्मार्ट सिटी कार्यालय में अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह एवं उपायुक्त श्री योगेन्द्र सिंह पटेल उपस्थित रहे।

'प्रगति 50' का उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत शहरों में स्वच्छता के वास्तविक एवं परिणाम आधारित मानकों को तेजी से प्राप्त करना है। यह कोई अलग योजना अथवा नया कार्यक्रम नहीं, बल्कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के लक्ष्यों को गति देने के लिए तैयार की गई लक्ष्य आधारित विशेष पहल है।

सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखकर उज्जैन की विशेष कार्ययोजना- उज्जैन के चयन को सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों से भी महत्वपूर्ण रूप से जोड़ा गया है। सिंहस्थ के दौरान देश-विदेश से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को ध्यान में रखते हुए शहर की स्वच्छता एवं सेनिटेशन अधोसंरचना को और सुदृढ़ किया जा रहा है।

इसके अंतर्गत– घाटों एवं प्रमुख सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर किया जाएगा।

सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की सुविधाओं को सुदृढ़ किया जाएगा।

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्थाओं को उन्नत किया जाएगा।

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही को ध्यान में रखते हुए भीड़ आधारित स्वच्छता व्यवस्था विकसित की जाएगी।

क्षिप्रा नदी की स्वच्छता, उपयोगित जल प्रबंधन एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुपालन के लिए समन्वित कार्ययोजना पर कार्य किया जाएगा।

सिंहस्थ को 'जीरो वेस्ट इवेंट' के रूप में आयोजित करने तथा 'सर्कुलर सेनिटेशन मैनेजमेंट' की अवधारणा को प्रभावी रूप से अपनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

परिणाम आधारित स्वच्छता पर विशेष जोर - 'प्रगति 50' पहल के अंतर्गत केवल अधोसंरचना के निर्माण तक सीमित रहने के स्थान पर वास्तविक स्वच्छता परिणाम, अपशिष्ट प्रसंस्करण क्षमता एवं नागरिक संतुष्टि को प्रमुख आधार बनाया जाएगा।

इसके साथ ही नियमित निरीक्षण, फील्ड मॉनिटरिंग, नागरिक सहभागिता एवं समुदाय आधारित निगरानी के माध्यम से स्वच्छता उपलब्धियों को स्थायी बनाने पर जोर रहेगा

'प्रगति 50' के लिए उज्जैन का चयन स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत उपलब्ध प्रदर्शन एवं स्वच्छता संबंधी परिणामों के आधार पर किया गया है। इसमें स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन, Garbage Free City (GFC) स्टार रेटिंग, स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण, स्त्रस्त्र, कम्पोस्टिंग एवं अपशिष्ट प्रसंस्करण, उपयोगित जल प्रबंधन सहित विभिन्न स्वच्छता अधोसंरचनाओं की उपलब्धता को प्रमुखता दी गई है।

'प्रगति 50' में उज्जैन का चयन शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के साथ ही सिंहस्थ 2028 के लिए दीर्घकालिक एवं सतत स्वच्छता मॉडल विकसित करने का महत्वपूर्ण अवसर है। पहल के तहत स्वच्छता, सेनिटेशन, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक सहभागिता को एकीकृत करते हुए उज्जैन को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट मॉडल के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा।

बैंक सखी तो है ही, किराने की दुकान भी खोल ली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खेड़ा खजूरिया, महिदपुर निवासी टीना शर्मा ने खुद मेहनत से अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर ली है। आजीविका अभियान से जुड़ने के बाद उन्हें बैंक सखी बनने का मौका मिला। लैपटॉप चलाने का प्रशिक्षण लिया और घर बैठकर वह लोगों की बैंक की आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही हैं। इससे उन्हें ?3000 महीने की आमदनी हो रही है। इसके अलावा उन्होंने समूह से जुड़कर ऋण लिया और इससे एक किराने की दुकान खोल ली। दोनों ही काम एक साथ करते हुए 20 से 25 हजार रुपये महीने की आमदनी कर लेती हैं। आजीविका मिशन ने उनके जीवन में काफी आर्थिक बदलाव किया है और इस काम के लिए वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद ज्ञापित करती हैं।